RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 347 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 15-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 प्रसूताओं की मौत के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : खाचरियावास

6 विश्व युवा कौशल दिवस : हुनर ही भविष्य की पहचान

7 फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे गोविंदा

फर्स्ट टेक

भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में पोत पर हमले की निंदा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य में दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों की मंगलवार को कड़ी निंदा की। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। विदेश मंत्रालय ने आज सुबह ईरान दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब किया और इन हमलों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने कहा कि वह जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' नाम के दो पोत पर हुए हमलों को लेकर ''बेहद चिंतित'' है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों जहाजों के कुल 46 चालक दल के सदस्यों में से 30 भारतीय नाविक थे। एमटी अल बहियाह' पर सवार 12 भारतीयों में से एक की मृत्यु हो गई है और एक अन्य घायल हो गया है।'' मंत्रालय के अनुसार, एमटी मोम्बासा पर सवार 18 भारतीयों में से नौ घायल हुए हैं जिनमें से दो के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है।

ईरान युद्ध में अब तक 14 अमेरिकी सैन्यकर्मी मारे गए

वाशिंगटन/एपी। ईरान युद्ध में अब तक 14 अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है। इस महीने की शुरुआत में अरब सागर में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में नौसेना के एक पायलट की मौत के बाद यह संख्या बढ़ी है। इस संघर्ष में घायल अमेरिकी सैनिकों की संख्या भी सोमवार तक बढ़कर 400 से अधिक हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिंस ने बताया कि इनमें से अधिकतर सैनिकों को मस्तिष्क संबंधी चोटें आई हैं। नौसेना ने शुरुआत में एक जुलाई को हुए हेलीकॉप्टर हादसे को आपात लैंडिंग बताया था और कहा था कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि यह आपात स्थिति किसी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के कारण पैदा हुई थी। हादसे के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर में सवार शेष तीन नौसैनिकों को बचा लिया गया था।

ज्ञानवापी विवाद में हिंदू और मुस्लिम पक्षों ने मध्यस्थता से किया इनकार

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद-श्रृंगार गौरी विवाद में हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने मंगलवार को प्रस्तावित मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर मंगलवार को दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की प्रक्रिया होनी थी लेकिन किसी भी पक्ष ने इसमें शामिल होने पर सहमति नहीं जताई। वहीं, ज्ञानवापी मस्जिद की प्रबंधन समिति अंजुमन इंतजामिया मसाजिद का कहना है कि ज्ञानवापी को लेकर हिंदू पक्ष की ओर से करीब 36 अलग-अलग मुकदमे व दावे दायर किए जा चुके हैं ।

15-07-2026 सूर्यास्त	16-07-2026 सूर्योदय
6:39 बजे	5:52 बजे

BSE	NSE
77,054.94	24,052.05
(-561.46)	(-158.96)

सोना	चांदी
15,108 रु.	228,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

भारत यूएनएससी में नियमों पर आधारित समुद्री व्यवस्था को प्राथमिकता देगा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत यह सुनिश्चित करेगा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में समुद्री नाविकों की सुरक्षा तथा आतंकवाद के वित्तपोषण के मुकाबले सहित स्वतंत्र, खुले और नियम आधारित समुद्री व्यवस्था के मुद्दे पर उचित ध्यान दिया जाए, जिनकी आवश्यकता है। जयशंकर ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट को लेकर भारत के आधिकारिक अभियान को शुरू करते हुए ये टिप्पणी की। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र में तैनात राजदूत, राजनयिक और अधिकारी शामिल हुए थे।

भारत अब तक आठ बार यूएनएससी का अस्थायी सदस्य रहा है। पिछली बार वह 2021-22 में यूएनएससी का अस्थायी सदस्य बना था। मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वाणिज्यिक पोत पर हुए हमलों में कई भारतीय नाविक मारे गए हैं और कई लोगों को बचाया गया है। जयशंकर ने कहा कि भारत ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहा है, जब दुनिया एक गहरे विरोधाभास का सामना कर रही है। उन्होंने कहा, दुनिया के पास इससे पहले कभी भी इतने बड़े पैमाने पर मानव कल्याण को आगे बढ़ाने की इतनी व्यापक क्षमता नहीं थी। साथ ही, हम टकराव, हिंसा और अस्थिरता का ऐसा स्तर देख रहे हैं, जिनसे वे लोग भी खतरे की जद में हैं, जो जो इन घटनाओं से बहुत दूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, इस जटिल स्थिति से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र को पहल करनी होगी और सुरक्षा परिषद को दिशा दिखानी होगी। इसलिए, इसकी सदस्यता के लिए चुनाव बहुत अहम हो जाते हैं। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रति भारत का नजरिया नियमों, भरोसे और ईमानदारी के जरिए सर्वांगीण प्रगति सुनिश्चित करने से संबंधित शांति : सेक्योरिंग हॉलिस्टिक एडवांस्मेंट थ्रू नॉर्म्स, ट्रस्ट एंड इंटिग्रिटी' पर आधारित है। उन्होंने यूएनएससी कार्यकाल के लिए भारत की प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से बताया।

> हमारे सामूहिक हित इसी बात में निहित हैं कि समुद्री व्यापार सुरक्षित और बिना रुकावट के जारी रहे। उन्होंने कहा कि जिन देशों के पास जरूरी क्षमताएं हैं, उन्हें समुद्री दस्युओं से निपटने के लिए सहयोग भी करना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'ये प्राथमिकताएं हैं - ग्लोबल साउथ' की आवाज बनना; सुधार के बाद बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाना; भविष्य के लिए तैयार शांति-रक्षा व्यवस्था; कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के गलत इस्तेमाल से पैदा होने वाले खतरों से निपटना; समुद्री इलाकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आतंकवाद के वित्त पोषण का मुकाबला करना।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है, जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। जयशंकर ने कहा, ऐसे दौर में जब आपूर्ति श्रृंखला हमारी अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ती हैं, दुनिया समुद्री इलाकों की सुरक्षा पर भी तेजी से ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि चुनौती की शुरुआत संबंधित अंतरराष्ट्रीय कानूनों, विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) का अनुपालन सुनिश्चित करने से होती है।

जयशंकर ने कहा, हमारे सामूहिक हित इसी बात में निहित हैं कि समुद्री व्यापार सुरक्षित और बिना रुकावट के जारी रहे। उन्होंने कहा कि जिन देशों के पास जरूरी क्षमताएं हैं, उन्हें समुद्री दस्युओं से निपटने के लिए सहयोग भी करना चाहिए। उन्होंने कहा, खाड़ी क्षेत्र में हो रही घटनाओं से नाविकों की सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है। जयशंकर ने कहा कि खोज और बचाव अभियानों को बढ़ावा देना, मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रदान करना तथा सर्वोत्तम तरीकों को साझा करते हुए दक्षता विकास को प्रोत्साहित करना - ये सभी ऐसे क्षेत्र रहे हैं, जिनमें भारत लंबे समय से सक्रिय रहा है।

कारगिल विजय हमारे अटूट संकल्प, सैन्य शक्ति का प्रतीक : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के कब्जे से हर चोटी, पहाड़ी और बंकर को दोबारा अपने नियंत्रण में लिया। उन्होंने कहा कि यह विजय भारत के उस अटूट संकल्प का प्रतीक है कि देश हमारी भूमि, पहचान और सम्मान पर किसी भी शत्रुतापूर्ण दुस्साहस का पूरी ताकत से जवाब देगा। उन्होंने यह बात दिल्ली के राष्ट्रीय समर स्मारक से लद्दाख के द्रास में कारगिल समर स्मारक तक मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाते हुए कही। यह अभियान 1999 के ऑपरेशन विजय के 27 साल पूरे होने के मौके पर देश भर में हो रहे समारोहों का हिस्सा है।

तेरह दिवसीय शौर्य विजय यात्रा में 28 प्रतिभागी शामिल हैं। इनमें रक्षा बलों के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। ये सभी उत्तरी हिमालय के दुर्गम भूभाग से गुजरते हुए 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। यह यात्रा 1999 के कारगिल युद्ध में विजय सुनिश्चित करने वाले भारतीय वीरों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। यात्रा का आदर्श वाक्य है 'एक सवारी, एक राष्ट्र, एक सलाम'। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस अभियान के दौरान, प्रतिभागी राष्ट्रीय समर स्मारक की पवित्र मिट्टी से भरा कलश लेकर चलेंगे, जिसे शहीदों की स्मृति में कारगिल में अर्पित किया जाएगा।

सिंह ने कहा, जब यहां (राष्ट्रीय समर स्मारक) की मिट्टी कारगिल की मिट्टी से मिलेगी, तो यह राष्ट्र की वर्तमान पीढ़ी की श्रद्धा और राष्ट्र के नायकों की वीरता के संगम का प्रतीक होगी।

निर्वाचन आयोग ने आंध्र प्रदेश और हरियाणा में एसआईआर की समय-सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश और हरियाणा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत चल रही विभिन्न गतिविधियों की समय-सीमा बढ़ा दी। आयोग ने इस संबंध में दोनों राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को अलग-अलग पत्र भेजे हैं। पत्र के अनुसार, हरियाणा और आंध्र प्रदेश में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन का कार्य अब 24 जुलाई तक जारी रहेगा। पहले इसके लिए 14 जुलाई की समय-सीमा निर्धारित थी। दोनों राज्यों में मतदाता सूची का प्रारूप पहले 21 जुलाई को प्रकाशित किया जाना था, जिसे अब बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश और हरियाणा 14 मई से शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण में शामिल हैं। तीसरे चरण के पूरा होने के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया लागू हो जाएगी। विभिन्न कारणों से विशेष गहन पुनरीक्षण की समय-सारिणी में समय-समय पर बदलाव किए गए हैं।

उत्सव

हुगली, पश्चिम बंगाल में भारत के दूसरे सबसे पुराने (अपने 630वें वर्ष में) सेरामपुर स्थित महेश जगन्नाथ मंदिर में नवयौवन उत्सव के दौरान भगवान जगन्नाथ को पारंपरिक चांदी के हाथ से सजाते एक पुजारी।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता कल से होगा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन के बीच वृहद आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) 15 जुलाई, 2026 से प्रभावी हो जाएगा। कई दौर की बातचीत के बाद 25 जुलाई, 2025 को इस समझौते पर दोनों देशों ने हस्ताक्षर किए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है।

इससे पहले भारत मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है। भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ यह समझौता हाल के वर्षों के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौतों में से एक माना जा रहा है।

इसके लागू होने से भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी।

बांग्लादेश ने स्वदेश वापसी की हसीना की योजना का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की स्वदेश वापसी की योजना का मंगलवार को स्वागत किया। उसने कहा कि मौत की सजा पाने वाली दोषी के रूप में हसीना को न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना चाहिए। बांग्लादेश की यह टिप्पणी उन खबरों के मद्देनजर आई है, जिनमें कहा गया है कि हसीना साल के अंत तक ढाका लौट सकती हैं। बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना (78) ने छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त 2024 को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गयी थीं। वह तभी से भारत में रह रही हैं।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के सूचना और रणनीति मामलों के सलाहकार जाहिद उर रहमान ने एक प्रेस वार्ता में कहा, हम हसीना की घोषणा का स्वागत करते हैं।

23वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धासुमन

स्वर्गवास 15.07.2003

स्व. भंडारी घेवरचन्दजी बुधमलजी, सायला निवासी

आपकी यादों के चिराग हमारे दिलों में हमेशा जलते रहेंगे
प्रण यही है हमारा आपके प्रदर्शित पथ पर हमेशा चलते रहेंगे।
हे आदरणीय अर्पित है, विनम्र हृदय से भावांजलि।
स्वीकार करें हे पुण्य आत्मा, हम सबकी यह श्रद्धांजलि।।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु : अशोक मीना, प्रवीण डिम्पल, रमेश-रेखा, विमल-कविता, आनंद कीर्ति
पौत्र-पौत्रवधु : रितेश-निकिता, ऋषभ-स्वीटी, अजितेश-अरुणा, रोहन-शेखा, वंश-श्रद्धा
पौत्रियां : पलक, साक्षी, अनन्या, कश्वी
पड़पौत्री : नियती, मोक्षा, पड़पौत्र : दिवीत, चहित, आर्या, निवान, जैनम
एवं समस्त भंडारी परिवार, सायला (बेंगलूरु)
पुत्री-दामाद : सुशीला-जुठमलजी सेठ, भाग्यश्री-राजेशजी जैन,
पौत्री-दामाद : ईशा-राहुलजी सालेचा, रुचिका-चेतनजी सुराणा, राशि-अरिहंतजी चोरड़िया
दोहिता-दोहितावधु : अभिषेक-गुणवंती सेठ, स्पर्श-श्रुति जैन,
दोहित्री-दामाद : रसना-सिद्धार्थजी छाजेड़, कृति-अविजी भंडारी
पड़दोहित्री-दोहित्र : ख्याति, जियाना, दिव्यम सालेचा, मलंक, निर्वी सेठ, प्रिशी, समवित छाजेड़, प्रवि सुराणा

फर्म ▪ GAYATRI INDUSTRIES ▪ MARUDHAR ENTERPRISES (INDIA), Bangalore

न्यायालय ने भोजशाला मामले में अलग खुली जगह पर नमाज की व्यवस्था के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्देश दिया कि धार स्थित विवादित भोजशाला परिसर के निकट मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को अपराह्न एक बजे से तीन बजे के बीच नमाज़ अदा करने के लिए अलग से एक खुला स्थान उपलब्ध कराया जाए। हालांकि प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम समुदाय के लिए की गई यह व्यवस्था केवल अंतरिम (एड-हॉक) होगी और इस मामले में लंबित याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन होगी। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विवादित परिसर में अदालत की अनुमति के बिना किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन नहीं करेगा। भोजशाला विवाद को अत्यंत संवेदनशील मामला बताते हुए न्यायालय ने हिंदू और मुस्लिम, दोनों पक्षों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि वह इस मामले की रोजाना सुनवाई करने और विवाद का समाधान निकालने के लिए तैयार है।

उच्चतम न्यायालय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था जिसमें कहा गया था कि धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला परिसर देवी सरस्वती का मंदिर है।अदालत ने कहा कि उसे हर शब्द का प्रयोग अत्यंत सावधानी के साथ करना होगा। प्रधान न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा, ये बेहद संवेदनशील मामले हैं। अदालत में कही गई कोई भी बात अनावश्यक विवाद पैदा कर सकती है या गलत संदेश दे सकती है।

उन्होंने कहा, अंतरिम व्यवस्था से जुड़ा यह मामला पहली बार हमारे समक्ष आया है। उच्च न्यायालय के आदेश और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में राज्य सरकार की कठिनाइयों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। हमारा मानना है कि इस मामले को 10 से 15 दिनों के भीतर उपयुक्त पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सून आओ मानसून

सून पधारो तृषित धरा पर,
बड़े मान से मानसून जी।
पैर झुलसते पेट तप रहा,
उबल रहा है आज खून जी।
आशा टूट रही आषाढ़ी,
बीत गया है माह जून जी।
मंहगाई की कैंची कतरे,
निर्धन जन की खाल ऊन जी।।

'बैंक टू बचपन' के माध्यम से महिलाओं ने पुरानी यादें ताजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर युवा लेडीज विंग द्वारा बैंक टू बचपन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य महिलाओं को बचपन की मधुर यादों से जोड़ना एवं पारंपरिक खेलों के माध्यम से आनंदमयी वातावरण का सृजन करना था। कार्यक्रम में लगभग 60 महिलाओं ने भाग लिया तथा लेमन रेस, बोरी रेस, ऑक्टोपस रेस, रस्सी कूद, घोड़ा रेस एवं पजल्स जैसे बचपन के लोकप्रिय खेलों का भरपूर आनंद लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में शौर्य टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनी तथा मैंगो मिस्टी टीम उपविजेता रही। सभी टीमों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्यावर संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री रूपचंद कुमट, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा शाखा अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, महामंत्री चेतन रेदासनी, लेडीज विंग और कार्यक्रम के संयोजिका मोनिका कुमट, चंदू डाकलिया ने व्यवस्था संभाली

महाराष्ट्र में छह दिनों में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में आठ से 13 जुलाई के बीच बारिश और मौसम संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एसडीएमए की राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश रिपोर्ट के अनुसार, पुणे जिले का मोशी क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां आठ जुलाई को इमारत गिरने की एक घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और इतने ही लोग घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना और स्थानीय दमकल कर्मियों सहित आपातकालीन सेवा कर्मियों ने मलबे से नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अनुसार इन छह दिनों में अन्य मौतें ठाणे और कोल्हापुर में दीवार गिरने तथा धुले में बाढ़ के पानी में डूबने से हुईं। एसडीएमए ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक राज्य में मौसम संबंधी घटनाओं में मरने वालों की कुल संख्या 105 हो गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्रवार बारिश का वितरण अब भी काफी असमान बना हुआ है। एक जून से 13 जुलाई के बीच कोंकण, पुणे और नासिक संभागों में 666.30 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो 30 वर्षों के औसत 543.65 मिलीमीटर से 13 प्रतिशत अधिक है। इसके विपरीत, शेष राजस्व संभागों में सामान्य औसत 247.57 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 178.60 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 28 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। एसडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, पालघर, मुंबई और पुणे जैसे जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई, जबकि नंदुरबार और हिंगोली जैसे क्षेत्रों में भारी कमी दर्ज की गई।

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि स्थान-आधारित वास्तविक समय चेतावनी प्रणाली का व्यापक स्तर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। मानसून गतिविधियों के तेज होने की संभावना को देखते हुए मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरि और सतारा सहित जोखिम वाले क्षेत्रों में एनडीआरएफ की 17 और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की छह टीम को पहले से तैनात किया गया है।

अमावस्या प्रसादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति, कर्नाटक बेंगलूरु की ओर से मैसूरु बैंक सर्कल के हनुमान मंदिर के पास मंगलवार को 104वीं अमावस्या महाप्रसादी के तहत लोगों को भोजन वितरण किया गया। बाबूलाल, अशोककुमार रांका परिवार के सौजन्य से इस प्रसादी सेवा में चेयरमैन गौतमचन्द धारीवाल, कार्याध्यक्ष आशीष बाफना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नगालैंड में आईईडी विस्फोट के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान तेज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/इंफाल/भाषा। नगालैंड में एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए आईईडी विस्फोट के बाद सुरक्षा बलों ने मंगलवार को चुमौकेदिमा जिले में तलाशी अभियान तेज कर दिया। इस हमले में एक जवान की मौत हो गई, जबकि चार अन्य जवान और एक आम नागरिक घायल हो गए। एक रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, यह आईईडी विस्फोट सोमवार दोपहर सुखोवी के पास असम राइफल्स के एक वाहन के निकट हुआ। इस विस्फोट में जम्मू कश्मीर के रहने वाले हवलदार मोहम्मद इकबाल की मौत हो गई और असम राइफल्स के चार अन्य जवान घायल हो गए। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को असम राइफल्स और नगालैंड पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियों को इलाके में तैनात करने के साथ ही अभियान तेज कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि विस्फोट में घायल हुए सभी चार जवानों की हालत स्थिर है और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि 28 असम राइफल्स के हवलदार मोहम्मद इकबाल सुखोवी स्थित 'असम राइफल्स ट्रेनिंग सेंटर एंड स्कूल' में तैनात थे। अधिकारियों के अनुसार, इकबाल पुंछ जिले के कल्लार मोहड़ा गांव के रहने वाले थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी नसीम अख्तर हैं।

उन्होंने बताया कि शहीद जवान के सम्मान में मंगलवार दोपहर को सुखोवी स्थित असम राइफल्स ट्रेनिंग सेंटर एंड स्कूल में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के समय असम राइफल्स के जवान एक मिनी ट्रक में सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में उड़कर आई किसी चीज़ की चपेट में आने से पास मौजूद एक नागरिक के पैर में चोट लग गई। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, एक ऑटो-रिक्शा भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

इस बीच, एनएससीएन/जीपीआरएन (एनएससीएन-आईएम) ने मंगलवार को सुखोवी में खोपनाला के पास हुए विस्फोट की कड़ी निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण ''आतंकवादी कृत्य'' बताया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति भंग करना था।

एक बयान में, संगठन ने आईईडी और जवानों को निशाना बनाने वाली बारूदी सुरंगों के इस्तेमाल को अनुचित ठहराया। उसने चेतावनी दी कि ऐसे हमले आम नागरिकों की जान जोखिम में डालते हैं, जनता के बीच डर फैलाते हैं और उस शांति को नुकसान पहुंचाते हैं, जिसे क्षेत्र के लोगों ने सहेजने के लिए कड़ी मेहनत की है। संगठन ने इस हमले से खुद को अलग करते हुए कहा कि वह विस्फोट के पीछे की सच्चाई का पता लगाएगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करेगा। उसने लोगों से घटना को लेकर अटकलें नहीं लगाने और सहयोग करने की अपील की, ताकि हमले के लिये जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। अब तक किसी भी उग्रवादी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

नूतन नाकोड़ा भैरव भवन में हवन विधान सम्पन्न

बेंगलूरु/ दक्षिण भारत । स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा निर्मित नूतन नाकोड़ा भैरव भवन में मणिभद्र वीर हवन का आयोजन किया गया। विधि-विधान और हवन रोहित गुरु ने करवाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सकल संघ की खुशहाली की कामना की। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि बुधवार को परमात्मा की स्नात्र पूजा और वास्तु पूजा की जाएगी। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि इसका विधिवत उद्घाटन शीघ्र ही किया जाएगा। प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज के लिए अनेक कार्यों में इस भवन की उपयोगिता रहेगी। हवन के मौके पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

यूसीसी पर अपना रुख स्पष्ट करे कांग्रेस : मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कहा कि हर विषय को हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक के नजरिए से देखने वाली कांग्रेस को मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को लेकर चल रही कवायद पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित समिति ने सोमवार को मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें अनुसूचित जनजातियों (आदिवासियों) को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश की गई है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी की जयंती पर विधानसभा परिसर में उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से चर्चा में यादव ने कहा कि समिति ने यूसीसी पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, अब कांग्रेस को भी इस विषय पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''चाहे यूसीसी का मुद्दा हो या भोजशाला का, कांग्रेस हर विषय को केवल हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक की राजनीति के नजरिए से देखती है।

सकारात्मक बात यह है कि सभी धर्मों के नागरिकों ने यूसीसी पर अपने विचार खुलकर और स्पष्ट रूप से रखे हैं, लेकिन कांग्रेस ने अब तक अपना स्पष्ट रुख सामने नहीं रखा है।'' यूसीसी को लेकर समिति की ओर से पिछले महीने भोपाल में आयोजित बैठक में कांग्रेस ने हिस्सा नहीं लिया था।

वियतनाम नौका हादसे में मारे गए दंपति के पार्थिव शरीर केरल लाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। वियतनाम में नौका हादसे में मारे गए केरल के दो लोगों के पार्थिव शरीर मंगलवार सुबह यहां लाए गए। कोट्टारक्करा के ए सी थॉमस (57) और उनकी पत्नी लोवेनी थॉमस (56) के शव मंगलवार सुबह तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे लाए गए और आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें एंबुलेंस से उनके गृह नगर कोट्टारक्करा ले जाया जाएगा। यहां हवाई अड्डे के कार्गो क्षेत्र में शव सौंपने की आधिकारिक प्रक्रिया पूरी किए जाने के दौरान, गमगीन रिश्तेदार दोनों ताबूतों के आसपास खड़े रहे।

केरल के मंत्री पी सी विष्णुनाथ और सी पी जॉन के साथ कांग्रेस सांसद कोडिकुन्निल सुरेश भी उस समय हवाई अड्डे पर मौजूद थे जब विमान से ए सी थॉमस और उनकी पत्नी लोवेनी थॉमस के शव तिरुवनंतपुरम लाए गए। उन्होंने ताबूतों पर पुष्पचक्र अर्पित कर दंपति को श्रद्धांजलि दी। शवों को एअर इंडिया की उड़ान से मुंबई से तिरुवनंतपुरम लाया गया। वियतनाम के मीडिया की खबरों के अनुसार, शनिवार को हुए स्पीडबोट हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई थी। मृतकों में 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के निवासी थे। वियतनाम के समाचार पोर्टल 'वीएन एक्सप्रेस इंटरनेशनल' के अनुसार, फू क्वोक द्वीप के निकट होन मे रुत नगोई क्षेत्र के पास 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार स्थानीय सदस्यों को लेकर जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी। इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गणेशमल नैनुबाई मांडोत चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कनकपुरा रोड पर संचालित श्री गणेश जैन गौशाला के तत्वावधान में अगस्त माह में हरियाली अमावस्या के अवसर पर पर प्रिंसेस श्राइन सभागार में भक्ति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें राजस्थान के प्रसिद्ध भजन कलाकार ओम मुंडेल भजनों की प्रस्तुति देंगे। गौशाला के अशोक चावत, पवन चावत एवं दीपक मांडोत ने मारुति मेडिकल के प्रमुख व गोभक्त महेंद्र मुणोत को आमंत्रण पत्रिका भेंट कर विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया ।

किसानों पर की गई एफआईआर तुरन्त वापस हो : एचडी देवेगौड़ा

सरकार मुझे धरने पर बैठने को मजबूर न करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने बहुत गंभीर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सिद्दरामय्या को मुख्यमंत्री पद से हटाने और उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए हाईकमान को दिए गए लालच को पूरा करने के लिए बिड़दी टाउनशिप प्रोजेक्ट हाथ में लिया है। किसान इस टाउनशिप के लिए ज़मीन देने से साफ़ मना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब किसानों का पेट मत मारो। हाईकमान को दिए गए लालच को पूरा करने और भी कई अलग-अलग तरीके हैं। प्लीज़ इस प्रोजेक्ट को यहीं छोड़ दें। अगर आप प्रोजेक्ट नहीं छोड़ते हैं, तो मैं विधान सौधा के बगल में महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने धरने पर बैठूंगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार को सीधी चेतावनी दी कि मुझे ऐसी स्थिति में न डालें।

जद(एस) पार्टी मुख्यालय जेपी भवन में संवाददाताओं संबोधित करते हुए उन्होंने कहा; जब सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री थे, तो कोई भी अधिकारी यह कहने की हद तक नहीं गया कि वे सर्वे करेंगे। नए मुख्यमंत्री को आए एक महीना भी नहीं हुआ था, उन्होंने पहले ही अधिकारियों को छोड़ दिया और सर्वे करना और ज़मीन हड़पना शुरू कर दिया। देवेगौड़ा गुस्से में थे, उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि आपने यह प्रोजेक्ट क्यों लिया है। सिद्दरामय्या को गिराने के लिए एक बड़ा प्लान बनाया गया था। उसके लिए हाईकमान को लुभाने के लिए कई तरह के लालच दिए गए थे। उन लालचों को पूरा करने के लिए, आपने गरीब किसानों की ज़मीन हड़पने शुरू कर दी है। डी.के. शिवकुमार ने हाईकमान को चुनावी फंड के बारे में भी भरोसा दिलाया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने मौजूदा मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर गंभीर आरोप लगाए कि उन्होंने इस सब की भरपाई के लिए बिड़दी को चुना है। आज बिड़दी के एक गांव में जॉइंट सर्वे करने गए अधिकारियों के खिलाफ किसानों ने गुस्सा दिखाया है। इसलिए, मैंने एक इमरजेंसी मीडिया कॉन्फ्रेंस बुलाई है। मंडाहल्ली नाम के उस गांव में 40 परसेंट लोग गांव छोड़कर बेंगलूरु आ गए हैं। ऐसे लोग कह रहे हैं कि वे जमीन देने को तैयार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा उनमें से कई गांव में बसे नहीं हैं। उन सभी लोगों की जमीन सिर्फ 17 एकड़ है। 500 एकड़ जमीन वाले किसान कह रहे हैं कि वे जमीन नहीं देंगे। इसलिए, वहां हंगामा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी की जमीन जबरदस्ती छीन ली जाए तो गुस्सा आना स्वाभाविक है। किसानों ने उसी हिसाब से जवाब दिया है। पुलिस सुपरिटेंडेंट का कहना है कि वे रेवेन्यू अधिकारियों के कहने पर वहां गए थे। अगर वे कानून के दायरे में काम करेंगे, तो कोई भी उनका साथ देगा। लेकिन यहां तो सरकार ने ही कानून से आगे बढ़कर काम किया है। रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अधिकारियों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। एसपी ने यह भी कहा है कि वे डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के निर्देश पर कार्रवाई करेंगे। जैसे इतना ही काफी नहीं था, आईजी ने भी जाकर मुआयना किया। उन्होंने कहा कि पुलिस को चोटें आई हैं। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह कहने के बाद भी कि ज़मीन नहीं दी जाएगी, सर्वे करने आना क्या उचित है। जब जमीन पर कोई कब्ज़ा करने आएं तो चुप रह सकते हैं? सरकार को किसानों का दर्द समझना चाहिए। अगर महिलाओं के खिलाफ एफआईआर होगी तो उनकी ज़िंदगी कैसी होगी? सरकार को संवेदनशीलता से काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि मैंने इस राज्य के मुख्यमंत्री को 25 जून को लेटर लिखा था। आज 14 जुलाई है। ज़्यादा से ज़्यादा 20 दिन हो गए हैं। मुझे लगा था कि लेटर उन तक पहुँच गया होगा। लेकिन, मुझे अभी तक जवाब नहीं मिला है कि यह उन तक पहुंचा है या नहीं। मैं एक किसान का बेटा हूं। अब मेरे पास कोई अधिकार नहीं है। मैंने एक किसान के बेटे के तौर पर चिट्ठी लिखी है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 जुलाई तक 16.40% बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चालू वित्त वर्ष में 13 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.40 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसमें कॉरपोरेट कर संग्रह में तेजी का अहम योगदान रहा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 22 प्रतिशत बढ़कर 2.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर (एनसीटी) से राजस्व संग्रह, जिसमें व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और फर्मों द्वारा चुकाए गए कर शामिल हैं, करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 3.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। इस दौरान सरकार ने 1.22 लाख करोड़ रुपये के कर रिफंड जारी किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14.57 प्रतिशत अधिक है।

सकल आधार पर, प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.11 प्रतिशत बढ़कर 7.73 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

इसमें कॉरपोरेट कर से 3.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक और गैर-कॉरपोरेट कर से करीब 4.12 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में 26.97 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा है। यह वित्त वर्ष 2025-26 में जुटाए गए 23.40 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात व ज्ञापन

जैन समाज के महेंद्र सिंघी हुब्बल्ली एवं अश्विन सेमलानी बेंगलूरु ने राज्य की मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शालिनी रजनीश से भेंट कर समाज के उत्थान से जुड़ी विभिन्न मांगों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कर्नाटक सरकार द्वारा मंदिरों के पुजारियों को दिए जा रहे 6000 रुपए मासिक गौरव धन की तर्ज पर जैन समाज के स्थानक एवं तेरापंथ भवनों में संचालित धार्मिक पाठशालाओं में सेवा देने वाले व्यक्तियों को भी गौरव धन प्रदान करने एवं जैन समाज के समग्र विकास के लिए पूर्व में घोषित जैन विकास निगम के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की गई है।

तमिलनाडु सरकार ने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का किया फेरबदल, कई विभागों में बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। गृह (विशेष प्रकोष्ठ) विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, ए. अरुण, आईपीएस, अब तक भ्रष्टाचार निरोधक एवं सतर्कता निदेशालय में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और निदेशक के पद पर कार्यरत थे, उनका तबादला कर उन्हें चेन्नई के ऊन्नामंचेरी स्थित तमिलनाडु पुलिस अकादमी का अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और निदेशक नियुक्त किया गया है। वहीं, सी. मंगेश्वरी, आईपीएस, जो डीवीएसी की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन सेल-1 में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर तैनात हैं, उन्हें अगले आदेश तक डीवीएसी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और निदेशक का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

इसके अलावा, मुख्य सचिव एम. साई कुमार द्वारा जारी आदेश के तहत कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का भी तबादला किया गया है। आदेश के अनुसार, एच. कृष्णनुन्नी, आईएएस, जो वर्तमान में तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक हैं, उन्हें स्थानांतरित कर पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग का निदेशक नियुक्त किया गया है। वे एस.पी. अमृत, आईएएस का स्थान लेंगे। शिल्पा प्रभाकर सतीश, आईएएस, जो अभी तक श्रम आयुक्त के पद पर कार्यरत थीं, उन्हें तमिलनाडु सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए भेजा गया है। वे डॉ. पी. उमानाथ, आईएएस का स्थान लेंगी। वहीं, एस.पी. अमृत, आईएएस, जो अब तक पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के निदेशक थे, उन्हें तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन का प्रबंध निदेशक नियुक्त किए जाने के लिए भेजा गया है। वे एच. कृष्णनुन्नी का स्थान संभालेंगे।

सरकार ने आदेश में कहा है कि शिल्पा प्रभाकर सतीश और एसपी. अमृत की विदेशी सेवा प्रतिनियुक्ति से संबंधित शर्तें 21 फरवरी 1994 के जी.ओ.एम.एस. संख्या 167, लोक (विशेष-ए) विभाग के प्रावधानों के अनुसार लागू होंगी। तमिलनाडु सरकार के इस प्रशासनिक फेरबदल को विभिन्न विभागों में कार्यकुशलता बढ़ाने और प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गुम्मीडीपुंडी स्टील प्लांट में बॉयलर विस्फोट

प्रवासी मजदूर की मौत, चार गंभीर रूप से झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के गुम्मीडीपुंडी स्थित एसआईपीसीओटी औद्योगिक क्षेत्र के एक स्टील मेल्टिंग यूनिट में मंगलवार को बॉयलर फटने से एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, जिसके चलते बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। मृतक की पहचान रवि के रूप में हुई है, जो उत्तर भारत के एक राज्य का रहने वाला प्रवासी मजदूर था। बॉयलर में विस्फोट होने के समय वह ड्यूटी पर मौजूद था और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। विस्फोट में घायल हुए चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें बचाकर तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, स्टील मेल्टिंग यूनिट के अंदर कर्मचारी नियमित कार्य कर रहे थे, तभी अचानक बॉयलर में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि उसके बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और धुएं का घना गुबार पूरे औद्योगिक परिसर में फैल गया, जिससे आसपास काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। मंगलवार को हुए इस बॉयलर विस्फोट ने जिले के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यस्थल सुरक्षा मानकों को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और विस्फोट से हुए नुकसान का पूरा आकलन किया जा रहा है।

'भ्रष्टाचार' से जुड़ी फाइल गायब: सीआईसी ने जांच में देरी को सबूत मिटाने की कोशिश बताया

नई दिल्ली/पुडुचेरी। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने कहा कि पुडुचेरी में सड़क निर्माण में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइल के गायब होने और मामले की जांच शुरू करने में हुई एक साल की देरी को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि यह देरी जानबूझकर की गई, ताकि इसमें शामिल लोग सबूत मिटा सकें। सूचना आयुक्त पीआर रमेश ने 'एम-बुक' संख्या-667 के गायब होने के लिए पुडुचेरी की यानम नगरपालिका को फटकार लगाई, जो एक सड़क परियोजना से जुड़ा आधिकारिक इंजीनियरिंग रिकॉर्ड था, जिसमें आठ लाख रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप है। सीआईसी ने इस घटना को सिर्फ प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संस्थागत उदासीनता का एक ऐसा पैटर्न बताया, जो जनता के प्रति जवाबदेही की जड़ पर प्रहार करता है।

आयोग ने नगरपालिका को निर्देश दिया कि वह एक तय समय-सीमा में जांच पूरी करे, गायब रिकॉर्ड के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान करे, जांच शुरू करने में हुई देरी का कारण बताए और सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत जांच रिपोर्ट का खुलासा करे। यह मामला तब सीआईसी के पास पहुंचा, जब एक आरटीआई आवेदक ने यह जानकारी मांगी कि एम-बुक संख्या-667 कहां है, उसकी देखरेख के लिए जिम्मेदार अधिकारी कौन है और उसके गायब होने के बारे में पुलिस में कोई शिकायत दर्ज कराई गई है या नहीं।

यानम नगरपालिका के मुताबिक, तत्कालीन सहायक अभियंता ने जुलाई 2023 में एम-बुक की सूची सौंपी थी, लेकिन सत्यापन के दौरान एम-बुक संख्या-667 सहित तीन एम-बुक गायब पाई गईं। नगरपालिका के अनुसार, शुरू में अधिकारियों को लगा कि संबंधित रिकॉर्ड बिलों के निपटान के लिए लेखा एवं कोषागार विभाग (डीएटी) के पास भेजा गया है, लेकिन बाद में उसका कोई पता नहीं चल सका। नगरपालिका ने कहा कि दस्तावेज का पता लगाने के प्रयास बार-बार विफल रहने के बाद फरवरी 2025 में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। हालांकि, उसने बताया कि विभागीय जांच समिति का गठन एक साल बाद फरवरी 2026 में किया गया।

सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता ने आरोप लगाया कि एम-बुक संख्या-667 एक अहम साक्ष्य थी, जिसे कथित रूप से जिम्मेदार लोगों को बचाने के लिए जानबूझकर गायब या नष्ट कर दिया गया। आयोग ने कहा कि यानम पुलिस ने 11 मार्च 2025 की अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला था कि एम-बुक के रखरखाव और उसे अधिकृत अधिकारियों को सौंपने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि ऐसा न किया जाना इन दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही को दर्शाता है।

अदालत के अंदर काला जादू करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

चिक्कबल्लापुर। कर्नाटक में एक अदालत कक्ष के भीतर काला जादू करने के आरोप में 65 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना बृहस्पतिवार की है और इससे जुड़ा सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर साझा किया जा रहा है, जिसमें महिला कथित तौर पर काला जादू करती हुई दिखाई दे रही है।

पुलिस के अनुसार, मंजुला नामक महिला एक दीवानी विवाद से जुड़े मामले की सुनवाई के सिलसिले में अदालत पहुंची थी। उसने बताया कि सुनवाई शुरू होने से पहले महिला ने न्यायाधीश की कुर्सी पर कथित तौर पर सफेद सरसों के दाने छिड़के।

हमारा संकल्प है कि 2029 में राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद का चेहरा हों : टैगोर

चेन्नई। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं और पार्टी का संकल्प है कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया जाए। टैगोर ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नीत गठबंधन सरकार के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियां और कार्य पूरी तरह जनकल्याण पर केंद्रित हैं। कांग्रेस तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का हिस्सा है। टैगोर ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार समावेशी और नवोन्मेषी राजनीतिक रास्ते पर आगे बढ़ रही है, जो बिना किसी भेदभाव के सभी तमिलों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन की सफलता कांग्रेस की भी सफलता है। उन्होंने राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी संसद सत्र में इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाएगी।

वियतनाम में नाव हादसे में मारे गए तमिलनाडु के 10 लोगों के शव चेन्नई और कोयंबटूर लाए गए

चेन्नई। वियतनाम में स्पीडबोट हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के 10 लोगों के पार्थिव शरीर लेकर आए विमान मंगलवार सुबह क्रमशः चेन्नई और कोयंबटूर हवाई अड्डों पर पहुंचे। इन पार्थिव शरीरों को मुंबई से विमान के जरिए लाया गया। चेन्नई हवाई अड्डे पर उस समय भावुक दृश्य देखने को मिला जब शोकाकुल परिजनों ने हादसे में जान गंवाने वाले अपने प्रियजनों के पार्थिव शरीर प्राप्त किए। हादसे में मारे गए 15 भारतीयों में 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के निवासी थे।

मृतकों में से एक के रिश्तेदार प्रभाकरन ने अपने 49 वर्षीय परिजन की अचानक मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि परिवार अभी भी इस त्रासदी से उबरने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उन्हें इस बात की राहत है कि पार्थिव शरीर बिना किसी प्रशासनिक कठिनाई के स्वदेश लाया गया और उन्हें सौंप दिया गया। प्रभाकरन ने तमिलनाडु सरकार, मुख्यमंत्री जोसेफ सी. विजय, टीवीके के वेल्लोर विधायक विनोद, डीआईजी संतोष कुमार और वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास के एक अधिकारी का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। पार्थिव शरीरों के ताबूत 13 जुलाई की रात साढ़े नौ बजे हो ची मिन्ह सिटी से वियतनाम एयरलाइंस के विमान से मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाए गए। वहां से उन्हें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल स्थित उनके गृह राज्यों के लिए रवाना किया गया। चेन्नई में अंतरराष्ट्रीय कार्गो परिसर में तमिलनाडु पुलिस के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) संतोष कुमार और क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी स्वप्निल थोराट सहित वरिष्ठ अधिकारी पार्थिव शरीरों की निगरानी के लिए मौजूद रहे। अंतरराष्ट्रीय आयात भारी कार्गो शेड में सीमा शुल्क संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ताबूतों को घरेलू कार्गो केंद्र भेजा गया। तमिलनाडु के मृतकों के पार्थिव शरीर मंगलवार तड़के विभिन्न उड़ानों से चेन्नई और कोयंबटूर भेजे गए, जबकि आंध्र प्रदेश और केरल के मृतकों के पार्थिव शरीर क्रमशः हैदराबाद और तिरुवनंतपुरम भेजे गए। वियतनाम के समाचार पोर्टल 'वीएन एक्सप्रेस इंटरनेशनल' के अनुसार, फू क्वोक द्वीप के निकट होन मे रुत नगोई क्षेत्र के पास 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार स्थानीय सदस्यों को लेकर जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी।

वियतनाम नौका हादसे के जीवित बचे पर्यटक ने सुनाई आपबीती, कहा- तीन मिनट में पलट गई थी स्पीडबोट

चेन्नई/भाषा। वियतनाम में हाल में हुए नौका हादसे में जीवित बचे लोगों में शामिल निर्मल कुमार ने उस भयावह घटना का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे एक द्वीप से दूसरे द्वीप की उनकी सामान्य यात्रा कुछ ही पलों में खौफनाक मंजर में बदल गई। फू क्वोक द्वीप के निकट 11 जुलाई को होन माय रुट न्गोआई के पास 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार स्थानीय सदस्यों को लेकर जा रही एक नौका पलट गई थी। इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई। अन्य 16 लोगों को बचा लिया गया और चिकित्सीय उपचार के बाद वे भारत लौट आए हैं, जबकि एक अन्य व्यक्ति की हालत गंभार है और उसका फू क्वोक के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मृतकों में से 10 तमिलनाडु, तीन आंध्र प्रदेश और दो केरल के निवासी थे। इनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं।

बचाव अभियान में सहायता के लिए वियतनाम में रुके कुमार ने बताया कि यात्रा शुरू होने पर नौका मुश्किल से अभी 300 मीटर आगे ही बढ़ी थी कि अचानक एक तेज लहर से स्पीडबोट पलट गई, जिससे 15 यात्री उसके भीतर फंस गए। डिंडीगुल जिले के पलानी निवासी कुमार ने पीटीआई वीडियो' को बताया कि उनका समूह आठ जुलाई को शुरू हुई यात्रा के अंतिम चरण में 11 जुलाई को एक द्वीप से दूसरे द्वीप जाने के लिए स्पीडबोट में सवार हुआ था। उन्होंने कहा, ''नौका में सवार होने के तीन मिनट के भीतर और मुश्किल से 300 मीटर आगे बढ़ने पर ही स्पीडबोट पलट गई।'' कुमार ने बताया, ''एक बहुत बड़ी और बेहद तेज लहर स्पीडबोट से टकराई, जिससे वह एक ओर झुक गई। अचानक पूरा भार एक तरफ आ जाने से स्पीडबोट पलट गई।'' चालक और गाइड सबसे पहले पानी में कूदे। उन्हें देखकर वह और करीब 20 अन्य यात्री भी तुरंत पानी में कूद गए और बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन पीछे बैठे यात्रियों को बच निकलने का मौका नहीं मिला। कुमार ने कहा, ''स्पीडबोट के भीतर 15 लोग फंस गए। उन्होंने लाइफ जैकेट पहन रखी थी, लेकिन नाव पलट जाने के कारण वे उसके नीचे दब गए और बाहर नहीं निकल सके।'' बचाव दल करीब 10 मिनट में मौके पर पहुंच गया और पानी में तैर रहे लोगों को बाहर निकाल लिया, लेकिन नाव के नीचे फंसे लोगों को निकालने में 20 से 30 मिनट लग गए। हादसे में उनके बचपन के मित्र मुरुगा प्रभु की भी मौत हो गई। उन्होंने कहा, ''मैं उनके शव की बरामदगी और सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही वियतनाम से रवाना हुआ।''

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सूचना सं.: 2026-27**: 07; **कार्य का नाम व स्थान:** Provision of 2 nos. running line, 2nd pit line, cover shed and catwalk on both pit lines, additional new platform no. 4&5, extension of existing FOB & Second entry station building at Jaisalmer station. **अनुमानित लागत रुपये:** 110,51,21,901.67/-; **बयाने की राशि रुपये:** 2,21,02,400.00/-; निविदा सूचना संख्या एवं निविदां प्रस्तुत/खुलने की तिथी GSU-07of2026-27 Date 04.08.2026 को 15.00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है। www.ireps.gov.in 1004-AM/26

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

(सर्वेक्षण एवं निर्माण)

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता (निर्माण-IV), उत्तर पश्चिमी रेलवे, निर्माण भवन जगतपुरा, जयपुर-302017 (राजस्थान) निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र पर ई-निविदा (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करता है। अंतिम तिथि/समय 30.07.2026/ 15:00 है:- **निविदा संख्या:** NWRSCCIVIL-102140551R1, **कार्य का नाम:** उत्तर पश्चिम रेलवे के सवाई माधोपुर बाईपास लाइन परियोजना के अंतर्गत, सवाई माधोपुर-ईसरदा स्टेशनो के बीच 0.00 किमी से 40.70 किमी तक रेल पटरी पर 65 मिमी मशीन से कुचले हुए पत्थर के गिट्टी की शेष आपूर्ति एवं ढेर लगाना, **निविदा का तरीका:** दो पैकेट प्रणाली, **अनुमानित परियोजना लागत:** Rs. 31,65,24,391.31, **बोली सुरक्षा राशी:** Rs. 63,30,500.00, **पूर्णता अवधि:** 12 (बारह) माह, **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 30.07.2026 को दोपहर 15:00 बजे (भारतीय समयानुसार), वेबसाइट का विवरण जहां ई-टेंडर की पूरी जानकारी देखी जा सकती है: www.ireps.gov.in, नोट : कोई भी मैन्युअल टेन्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा 993-PH/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094178, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/ए.सी/ईटीएन-48 / 2026-2027 दिनांक 14.07.2026
कार्य का नाम	एसएसए कंट्रोल सेंटर(छएढ), पीन्या, बेंगलूरु में अलग-अलग क्षमता वाली 52 इनडोर यूनिट् और 2टीआर कैसेट स्प्लिट एसी से जुड़ी 94एचपी की कैरियर वीआरएफ यूनिट के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध ।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 12.21 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	24 माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	15.07.2026 को 16.00 बजे से 01.08.2026 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	16.07.2026 को 11.00 बजे से 02.08.2026 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	03.08.2026 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	04.08.2026 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	05.08.2026 को 11.00 बजे के बाद
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 24,427/-

2. पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट https://www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

उत्तर पश्चिम रेलवे

256 सिंग/18/2026-27
दिनांक: 10/07/2026
ई- निविदा सूचना
एसएण्डटी-जेयू-18-2026-27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे.,जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** जोधपुर मंडल के स्वतंत्र इंटरलॉक्ड समपार फाटकों पर स्वचालित अग्नि पहचान एवं चेतावनी प्रणाली (AFDAS) के प्रावधान से संबंधित सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T) कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** रुपये 3,68,33,161/- (RO), **ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता:** वरि.मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग जोधपुर, **बयाना राशि (Bid Security):** रुपये 7,36,700.00/-, **ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय:** 05/08/2026 को 15.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस पर 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। वैब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें। www.ireps.gov.in नोट:- यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेन्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 1001-PH/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

वरिष्ठ भाजपा नेता रामचंद्र गौड़ा का निधन मुख्यमंत्री शिवकुमार ने दी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मंत्री रामचंद्र गौड़ा का मंगलवार को बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण निधन हो गया। गौड़ा 88 वर्ष के थे। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि रामचंद्र गौड़ा, जिन्होंने विधान परिषद के सदस्य और मंत्री के तौर पर लोगों की सेवा की, एक ऐसे नेता थे जिनका बहुत बड़ा फ़ैन बेस था। मंगलवार सुबह पूर्व मंत्री रामचंद्र गौड़ा के घर जाकर उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि रामचंद्र गौड़ा एक वफ़ादार और ईमानदार नेता हैं। वह मेरे करीबी रिश्तेदार हैं, और एक कॉर्पोरेटर के तौर पर, वह लोगों से घुलमिल जाते थे, उनके सुख-दुख को समझते थे और लोगों की सेवा में लगे रहते थे। उन्हें बेंगलूरु शहर की सभी समस्याओं की गहरी जानकारी थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधानपरिषद के सदस्य और मंत्री के तौर पर लोगों की सेवा की और जनता उनकी तारीफ़ करती थी।

जब उन्होंने 1985 में विधानसभा लड़ा था, तो उनकी पर्सनैलिटी बहुत सिंपल थी और वे पब्लिक बसों में आते थे और कैंपेन

का काम करते थे। रामचंद्र गौड़ा, जिनके बहुत बड़े फैन बेस थे, समाज के भले के लिए अपनी राय सीधे और सख्ती से रखते थे। उन्होंने कहा कि वे अपने उसूलों और आइडियोलॉजी के साथ पॉलिटिक्स करते थे और उन्हें एक दुश्मन माना जाता था जिसकी पॉलिटिकल सर्कल में किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। भाजपा के येडीयुरप्पा अपनी पार्टी के सभी फैसलों में उन्हें विश्वास में लेते थे। 'वे मुझसे कई ज़रूरी मुद्दों पर बात करते थे। अपनी स्वास्थ्य समस्या के बावजूद, वे मेरे शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेना चाहते थे। उन्होंने कहा, हमने दो दिन पहले उनसे मिलने की कोशिश की थी, लेकिन बदकिस्मती से उनका निधन हो गया, जो दुख की बात है। एक सीधे-सादे और सज्जन नेता आज हमारे बीच नहीं हैं। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि रामचंद्र गौड़ा के निधन की खबर से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, मार्गदर्शकों और पूर्व मंत्रियों को गहरा सदमा और दुख पहुंचा है।

राज्यपाल बागड़े और ऑस्ट्रेलियाई राजनयिक मर्फी के बीच उच्च शिक्षा व कृषि सहयोग पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ राजनयिक पॉल मर्फी से मुलाकात कर उच्च शिक्षा, कृषि नवाचार और जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मर्फी ने लोक भवन में हुई अनौपचारिक बैठक के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार, शिक्षा तथा वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में राजस्थान के उच्च शिक्षा क्षेत्र में सहयोग, जनजातीय विरासत के संरक्षण और कृषि नवाचार जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि राजस्थान के हित में ऑस्ट्रेलिया की उच्च शिक्षा प्रणाली, आदिवासी संस्कृति संरक्षण और शुष्क क्षेत्रों के लिए विकसित कृषि तकनीकों का लाभ उठाया जाना चाहिए। बागड़े के सुझाव पर मर्फी ने राजस्थान के विश्वविद्यालयों और ऑस्ट्रेलियाई शिक्षण संस्थानों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर काम करने पर सहमति जताई।

आधिकारिक बयान के अनुसार, आने वाले दिनों में राजस्थान के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा ऑस्ट्रेलिया के शिक्षाविदों और विश्वविद्यालय प्रमुखों के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा अन्य शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों की संभावनाएं भी तलाश की जाएंगी।

मर्फी ने राज्यपाल को कम पानी वाले और शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त ऑस्ट्रेलियाई कृषि तकनीकों की जानकारी भी दी। बागड़े ने इस पर कहा कि इन तकनीकों को राजस्थान की परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। बैठक में जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर भी चर्चा हुई। मर्फी ने ऑस्ट्रेलिया के आदिवासी समुदायों (एबोरिजिनल) और राजस्थान की जनजातीय संस्कृति के बीच सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

बयान के अनुसार, इस संबंध में अगले एक-दो महीने में ऑस्ट्रेलिया का एक प्रतिनिधिमंडल उदयपुर स्थित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (वेस्ट जोन कल्चरल सेंटर) का दौरा करेगा, जहां भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। बयान में बताया गया कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष रहते हुए हरिभाऊ बागड़े ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था और उन्होंने वहां नागरिक अनुशासन, सड़क परिवहन, शिक्षा और कृषि क्षेत्र की व्यवस्थाओं का अध्ययन किया था, जिन्हें उन्होंने भारत के लिए उपयोगी बताया। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. समित शर्मा तथा ऑस्ट्रेलिया के महावाणिज्य दूत के सहयोगी नाजिन लुथ समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

आस्था के केंद्रों के खिलाफ साजिश बर्दाश्त नहीं : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को राम मंदिर और बुटाटी धाम से जुड़ी कथित वित्तिय अनियमितता को लेकर कांग्रेस नेताओं के बयानों का जवाब देते हुए कहा कि आस्था के केंद्रों के खिलाफ किसी भी तरह की साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राठौड़ ने यहां जारी एक बयान में आरोप लगाया कि कुछ लोग सुनियोजित तरीके से धार्मिक स्थलों की छवि खराब करने और लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, कुछ लोग योजनाबद्ध तरीके से आस्था के केंद्रों को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं। इसमें विदेशी ताकतों की भी भूमिका हो सकती है, जो समाज के कुछ वर्गों को गुमराह कर ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहती हैं। राठौड़ ने नागौर जिले के बुटाटी धाम मामले का उल्लेख करते हुए कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, बुटाटी धाम के प्रबंधन से कांग्रेस से जुड़े लोग जुड़े रहे हैं। वहां कांग्रेस की एक पार्षद के पति अध्यक्ष हैं। ऐसे में भाजपा पर आरोप लगाने का डोटासरा का प्रयास उनकी अपनी ही पार्टी पर उल्टा पड़ गया।

राठौड़ ने कहा, डोटासरा ने

भाजपा को बदनाम करने की कोशिश की लेकिन आरोप उनकी अपनी पार्टी पर ही आ गए। उन्होंने कहा कि इस मामले के तथ्य सामने आ चुके हैं और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश में विपक्ष खुद ही कठघरे में खड़ा हो गया है। भाजपा नेता ने राम मंदिर से जुड़े हालिया विवादों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों का मंदिर या उसकी परंपराओं से कोई संबंध नहीं है, वे समाज में भ्रम फैलाने के लिए बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा, सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राठौड़ ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके जैसे समर्पित व्यक्तियों की छवि खराब करने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अपनी आस्था से प्रेरित होकर मंदिरों में दान देते हैं और इस धन का उपयोग विकास तथा जनकल्याण के कार्यों में किया जाता है। राठौड़ ने कहा, दान में गड़बड़ी जैसे बेबुनियाद आरोप श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करते हैं। धार्मिक आस्था का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इतिहास में विदेशी आक्रांताओं ने भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को निशाना बनाया था और आज भी उसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, ऐसी ताकतों की पूरी जांच की जाएगी और उन्हें बेनकाब किया जाएगा। समाज की आस्था को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। राठौड़ ने राज्य में हाल में प्रसूताओं की मौत के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत संवेदनशील विषय है।उन्होंने कहा, राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की शुरुआत आज से, उद्घाटन ओम बिरला करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के गठन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुधवार से 'अमृत महोत्सव' कार्यक्रमों की शुरुआत होगी, जिसके उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अमृत महोत्सव का यह पहला कार्यक्रम है और इसमें सदन के वर्तमान और पूर्व विधायक शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान से निर्वाचित लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को भी समारोह में आमंत्रित किया गया है।

देवनानी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेंगे। अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा के दो सत्रों में पिछले 75 साल में पारित हुए महत्वपूर्ण कानूनों में से 24 पर 16 पूर्व एवं मौजूदा विधायक चर्चा करेंगे।

समारोह में पूर्व विधायक पण्डित रामकिशन भी शामिल होंगे, जिनकी उम्र 100 साल है। समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और वरिष्ठतम विधायकों का विशेष सम्मान किया जाएगा।

प्रसूताओं की मौत के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : खाचरियावास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में हाल में हुई कई प्रसूताओं की मौत के लिए राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए मृतकों के परिजन को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मंगलवार को मांग की। खाचरियावास ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इन मौतों की जिम्मेदारी लेने से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर पर मामले में पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं दिखाने का आरोप लगाया।

खाचरियावास ने दावा किया कि अब तक 19 महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि दो महिलाओं की आंखों की रोशनी चली गई है और

छह महिलाओं की किडनी खराब हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन घटनाओं के पीछे भाजपा सरकार की ओर से खरीदी गई घटिया और नकली दवाएं जिम्मेदार हैं।

खाचरियावास ने कहा, सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। अगर नकली दवाएं खरीदी गईं, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मृतक महिलाओं के परिजन को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और स्थायी रूप से दिव्यांग हुई महिलाओं के लिए दीर्घकालिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

कांग्रेस नेता ने दवाओं की खरीद में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार लोगों की जान जोखिम में डाल रही है। खाचरियावास की यह प्रतिक्रिया स्वास्थ्य मंत्री खींवसर की ओर से सोमवार को दिए गए उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा और बांसवाड़ा में प्रसूताओं की मौत का कोई एक समान कारण नहीं है।

खींवसर ने कहा था कि इन मामलों में महिलाओं की मौत खून की कमी, उच्च रक्तचाप, प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव (पीपीएच) और कुपोषण जैसी विभिन्न चिकित्सीय जटिलताओं के कारण हुई। उन्होंने कहा था कि ज्यादातर महिलाएं उच्च जोखिम वाली मरीज थीं, जिन्हें अन्य स्वास्थ्य संस्थानों से सरकारी अस्पतालों में रेफर किया गया था।

हाल में जंगल में बसाए गए नर बाघ को भा रहा नया माहौल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में नियंत्रित माहौल से दोबारा प्राकृतिक वातावरण में बसाने की योजना के तहत करीब 18 दिन पहले खुले जंगल में छोड़े गए नर बाघ को नया माहौल रास आ रहा है और उसने पहली बार शिकार तथा अपने इलाके की निशानदेही की है। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 18 दिन पहले 'जंगल में छोड़ने से पूर्व तैयार करने के लिए बनाए गए बाड़े' से आरवीटी-07 नामक बाघ को खुले जंगल में छोड़ा गया था और उसपर नजर रखी जा रही थी। उन्होंने बताया कि बाघ के व्यवहार से संकेत मिलता है कि वह जंगल के माहौल में सफलतापूर्वक ढल गया है। वन अधिकारियों ने बताया कि आरवीटी-07 नाम के बाघ का रामगढ़ विषधारी बाघ अभयारण्य (आरवीटीआर) के खुले जंगल में दूसरे बाघों से भी सामना हुआ है, जिससे भविष्य में उनके बीच प्रजनन की संभावना बनती है। उन्होंने बताया कि साढ़े तीन साल के इस बाघ ने 24 जून, 2026 को अपने पांच हेक्टेयर के बाड़े से स्वेच्छा से बाहर निकलकर, बूंदी, कोटा और भीलवाड़ा ज़िलों में करीब 1500 वर्ग किलोमीटर में फैले बाघ अभयारण्य में प्रवेश किया था।अधिकारियों ने बताया कि इस

दौरान आरवीटी-07 ने पूरी तरह से स्वाभाविक वन्य जीव की तरह व्यवहार किया, जो जीवित रहने के लिए जरूरी है। निगरानी टीम ने पाया गया कि बाघ ने पेड़ों को खरोंचा, गंध छोड़ी जिससे उसके इलाके की निशानदेही हुई और मौजूदगी दर्ज की गई और ये गतिविधियां प्राकृतिक आवास में सफलतापूर्वक ढलने के अहम संकेत हैं।

उन्होंने बताया कि विशेष बात यह है कि बाघ ने प्राकृतिक परिस्थितियों में भी सफलतापूर्वक शिकार किया है, जिससे उसकी स्वतंत्र रूप से शिकार करने की क्षमता साबित होती है। राजस्थान में अधिकारियों ने लगभग दो साल पहले दिसंबर 2024 में बचाए गए बाघों को पुन उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ने की योजना शुरू की।

अधिकारियों ने बताया कि बाघिन की असमय मौत के बाद उसके दो शावकों (एक नर और एक मादा) को बचाया गया था। इसके बाद इन शावकों को कोटा के अभेड़ा जैव उद्यान ले जाया गया, जहां इंसानों की देखरेख में उनकी अच्छी तरह से परवरिश की गई। राज्य में पहली बार इन वन्य जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई और वन विभाग ने नर शावक को बूंदी के आरवीटीआर में और मादा शावक को मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य में भेज दिया। आरवीटीआर के उप वन संरक्षक (डीसीएफ) अरुणकुमार डी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नर बाघ को लगभग 18 से 19 महीनों तक अभयारण्य की जैतपुर रेंज में बने पांच हेक्टेयर के विशेष बाघ बाड़े में रखा गया था। उन्होंने बताया कि इस अहम दौर में, वन्यजीव अधिकारियों ने बाड़े का सावधानी से प्रबंधन किया और बाघ को जंगल में जीवित रहने के लिए तैयार करने हेतु शिकार का खास चयन किया। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, विभाग ने बाघ के विकास का आकलन करने के लिए कड़ी और निरंतर निगरानी बनाए रखी।

वन अधिकारी ने बताया, हम इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए हर पल इसकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं कि यह अपना इलाका कैसे बनाता है। उन्होंने कहा, इस बाघ की गतिविधियों को लगातार रिकॉर्ड करने के लिए जीपीएस-वीएचएफ रेडियो कॉलर, रेडियो टेलीमेट्री, कैमरा और ज़मीनी स्तर पर निगरानी टीम का इस्तेमाल किया जा रहा है।

राजस्थान में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के कमजोर पड़ने के बीच राजस्थान में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर तेज हवाएं दर्ज की गईं। इस दौरान राज्य के पूर्वी भाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा तथा पश्चिमी भाग में कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक 37.0 मिलीमीटर बारिश टीबी (हनुमानगढ़) में हुई। राज्य के अनेक भागों में अब भी गर्मी पड़ रही है। अधिकतम तापमान गंगानगर में 41.5 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सिरोही में 21.0 डिग्री सेल्सियस रहा। पश्चिम राजस्थान के जोधपुर व बीकानेर संभाग के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहेगा। पूर्वी राजस्थान में भी कमोबेश ऐसी ही परिस्थितियां रहेंगी।

अनूठे हैं पीएमविद्यालय, इनमें अंतरराष्ट्रीय योगदान देने वाले छात्र निर्माण की क्षमता : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संचालित पीएम विद्यालयों का राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में सुचारु संचालन किया जा रहा है। ये कहना था मुख्य सचिव वी श्रीनिवास का। मुख्य सचिव मंगलवार को राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित पीएम राज्य स्तरीय संस्था प्रधान वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। वेबिनार में एनईपी 2020, 21वीं सदी के कौशल एवं खेल आधारित शिक्षा पद्धति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पीएम विद्यालयों में नवाचार, शैक्षणिक स्तर एवं जारी राशि का सदुपयोग, सह शैक्षणिक गतिविधियों में उपलब्धि, सीएसआर एवं जन सहयोग से किए गए कार्य आदि पर भी चर्चा हुई।

मुख्य सचिव ने संबोधित करते हुए कहा कि पीएम विद्यालय ञ्चएच (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित) शिक्षा व नवाचारों के क्षेत्र में रोल मॉडल के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने पीएम विद्यालयों को अनूठा बताते हुए कहा कि इन विद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान देने वाले उत्कृष्ट छात्र तैयार करने की क्षमता है। उन्होंने ने प्रत्येक पीएम विद्यालय में सुझाव बॉक्स खोलने, अपनी सफलता की कहानियां शेयर करने और छोटे-छोटे नवाचार करने के ङ्कसुझाव दिए। उन्होंने कहा कि छोटी टीम बनाकर कार्य करने और निरंतर मेहनत करने से सफलता अवश्य हासिल होगी और निश्चित तौर पर प्रदेश के पीएम विद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान देंगे।

उन्होंने कहा कि यह वेबिनार सभी पीएम विद्यालयों के लिए सीखने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी। उन्होंने वेबिनार को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के संस्था प्रधानों की इंस्पिरेशनल स्टोरीज के जरिए पीअर लर्निंग का महत्वपूर्ण व अनोखा प्लेटफॉर्म बताया। उन्होंने भविष्य में जिला स्तर पर भी वेबिनार आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के अनुभव का लाभ अन्य विद्यालयों को भी मिल सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव ने इस अवसर पर कहा कि पीएम विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ऐसे में इन विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। यादव ने हर विद्यालय में 3-5 बच्चों की टोली बनाकर उनमें सामंजस्य, टीम स्पिरिट व साथ सीखने और आगे बढ़ने की प्रवृत्ति विकसित करने का सुझाव दिया।

प्रत्येक गर्भवती के स्वास्थ्य पर रखी जाएगी नियमित निगरानी : गायत्री राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं मातृ मृत्यु दर को और कम करने के लिए प्रदेशभर में सभी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य मानकों की सघन स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके लिए 15 जुलाई से 5 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जांचों का रिकॉर्ड संधारित कर उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी रखी जाएगी। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में इस संबंध में प्रदेश के सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फील्ड में कार्यरत आशा वर्कर, एएनएम एवं सीएचओ के माध्यम से स्क्रीनिंग का यह कार्य पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ करवाया जाए। गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच एवं नियमित स्क्रीनिंग में किसी भी तरह की लापरवाही पर आशा वर्कर, एएनएम, सीएचओ एवं संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मातृ मृत्यु की प्रत्येक घटना अत्यंत गंभीर है और इसे रोकने के लिए गर्भावस्था की शुरुआत से लेकर प्रसव एवं प्रसवोत्तर अवधि तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अधिकांश मातृ मृत्यु के मामलों में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान और समयबद्ध प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रत्येक गर्भवती महिला का गर्भधारण के प्रथम 12 सप्ताह के भीतर पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा सभी सूचनाएं पीसीटीएस पोर्टल पर समय पर दर्ज की जाएं।श्रीमती राठौड़ ने निर्देश दिए कि प्रत्येक गर्भवती महिला की कम से कम चार गुणवत्तापूर्ण एएनसी जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए।

जल जीवन मिशन की प्रत्येक योजना समय पर पूरी हो, इसका हर स्तर पर रखें ध्यान : मुख्य सचिव

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन के सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने सुजलम भारत आईडी सृजन, हर घर जल रिपोर्टिंग एवं प्रमाणीकरण, जल सेवा आंकलन तथा भौतिक रूप से पूर्ण योजनाओं के वित्तीय समापन में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि नई दिल्ली में 10 जुलाई को राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के साथ हुई समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों की समयबद्ध अनुपालना सुनिश्चित की जाए। साथ ही राज्य एपेक्स कमेटी के माध्यम से सभी लंबित प्रस्ताव निर्धारित समय-सीमा में भारत सरकार को भेजे जाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि मिशन अवधि के भीतर सभी परियोजनाएं पूर्ण करने की कार्ययोजना पर प्रभावी अमल किया जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कुल 1,00,145 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकृत हैं। राज्य के 107.74 लाख ग्रामीण परिवारों में से वर्ष 2019 में जहां केवल 11 प्रतिशत परिवारों के पास नल कनेक्शन थे।

वहीं अब यह संख्या बढ़कर 63.61 लाख (59 प्रतिशत) हो गई है। मिशन के तहत 51.87 लाख घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। साथ ही 12,095 गांव हर घर जल घोषित तथा 6,138 गांवों का हर घर जल प्रमाणीकरण किया जा चुका है। समीक्षा के दौरान जल अर्पण कार्यक्रम के आयोजन को लेकर विशेष चर्चा हुई।

उच्च न्यायालय का सीमावर्ती धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने भारत-पाकिस्तान सीमा से 50 किलोमीटर के दायरे में स्थित कई मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने राज्य सरकार को एक समिति गठित करने का निर्देश दिया, जो प्रत्येक मामले की अलग-अलग जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई के संबंध में अपनी सिफारिश देगी।

अदालत ने कहा कि यह मामला धार्मिक भेदभाव का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन का है। इसने यह भी स्पष्ट किया कि प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत महत्वपूर्ण है, लेकिन ऐसे मामलों में इसे इस तरह लागू नहीं किया जा सकता कि संवेदनशील सूचनाओं के खुलासे से राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो।

न्यायमूर्ति समीर जैन ने पीर मोहम्मद शाह जिलानी दरगाह समिति एवं अन्य की ओर से दायर याचिकाएं खारिज कर दीं जिसमें जैसलमेर, बाड़मेर और बीकानेर जिलों में स्थित मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों को जारी नोटिसों को चुनौती दी गई थी।

शिकायतों के निष्पादन से जनता संतुष्ट होगी, तभी सहयोग कार्यक्रम का लक्ष्य पूरा होगा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को कहा कि शिकायतों का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता तभी संतुष्ट होगी, जब उसकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

चौधरी ने यहां 'सहयोग कार्यक्रम' की शुरुआत के अवसर पर मुख्यमंत्री सचिवालय के आवेदन प्राप्ति केंद्र के शिलापट्ट का अनावरण किया।

उन्होंने देशरत्न मार्ग से मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित आवेदन प्राप्ति केंद्र तक 'सहयोग पथ' का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों का सरकार पर विश्वास और मजबूत हो।

उन्होंने कहा कि जो अधिकारी या कर्मचारी शिकायतों के निस्तारण में सहयोग नहीं करेंगे या कार्य में शिथिलता बरतेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने बताया कि 'सहयोग' शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया है और जिन आवेदकों को अब भी अपने मामलों के निर्णय पर आपत्ति है, उनके लिए राज्य स्तरीय 'सहयोग कार्यक्रम' शुरू किया गया है, ताकि उनकी शिकायतों की दोबारा समीक्षा कर न्यायसंगत निर्णय लिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री सोलर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। उन्होंने लोगों से अपने घरों की छतों पर सौर पैनल लगाने और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। चौधरी ने साथ ही दूरस्थ और दुर्गम गांवों को 'सोलर विलेज' के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कॉजपा प्रदर्शन 25वां दिन : वांगचुक 'बहुत दर्द' में हैं लेकिन अनशन खत्म करने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने मंगलवार को कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को मांसपेशियों की क्षति हुई है और वह बहुत दर्द' में हैं लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल तब तक समाप्त करने से इनकार किया है जब तक सरकार बातचीत की पहल नहीं करती। संगठन के प्रदर्शन को 25 दिन हो गए हैं वहीं वांगचुक का अनशन 17वें दिन में प्रवेश कर गया है कॉजपा की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, अनशन शुरू करने के बाद से वांगचुक का वजन 8.5 किलोग्राम कम हो चुका है। उनका रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) 109/70 मिमी एचजी दर्ज किया गया।

कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि वांगचुक की मांसपेशियां लगातार कमजोर हो रही हैं और वह 'अत्यधिक पीड़ा' में हैं। दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, ''उनकी मांसपेशियां तेजी से कमजोर हो रही हैं और वह बेहद दर्द में हैं। मैंने भी अन्य लोगों की तरह उनसे अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने शांत भाव से कहा-मुझसे अनशन खत्म करने के लिए मत कहिए, सरकार से पूछिए कि वह बातचीत क्यों नहीं करना चाहती'।'' दीपके ने बताया कि आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उन्हें फोन कर वांगचुक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की।

कॉजपा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है। साथ ही संगठन का कहना है कि कथित परीक्षा अनियमितताओं के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। संगठन ने 20 जुलाई, यानी संसद के मानसून सत्र के पहले दिन प्रस्तावित 'चलो संसद' मार्च की तैयारियां भी तेज कर दी हैं और समर्थकों से मिस्ड कॉल' अभियान के माध्यम से इसमें शामिल होने के लिए पंजीकरण कराने की अपील की है। कॉजपा का आंदोलन 20 जून से जारी है। सोनम वांगचुक 28 जून को इस आंदोलन से जुड़े थे और तभी से वह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

सोनम वांगचुक के समर्थन में आईं जीनत अमान, केंद्र से वार्ता की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री जीनत अमान ने केंद्र सरकार से 28 जून से भूख हड़ताल पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ बातचीत शुरू करने की मंगलवार को अपील की। अभिनेत्री ने कहा कि भारत को मूकदर्शक बने रहकर अपनी सबसे बेहतरीन प्रतिभाओं में से एक को तिल-तिल मिटते नहीं देखना चाहिए। जीनत अमान (74) ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा कि सरकार को सोनम वांगचुक से शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत करनी चाहिए, क्योंकि यह मुद्दा पूरे ''भारत के भविष्य'' से जुड़ा है। उन्होंने लिखा, ''हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए जो मूकदर्शक बने रहकर अपनी सबसे बेहतरीन प्रतिभाओं में से एक को तिल-तिल मिटता देखे। भारत में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन की एक लंबी परंपरा रही है। इसलिए जिनके हाथ में सत्ता है, उनका कर्तव्य है कि ऐसे शांतिपूर्ण विरोध का जवाब शांतिपूर्ण बातचीत से दें।''

राम मंदिर चढावा चोरी विवाद

न्यास के कोषाध्यक्ष ने कहा, इस्तीफा नहीं देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने मंगलवार को स्वीकार किया कि अयोध्या के राम मंदिर में निगरानी व्यवस्था में कुछ चूक हुई, लेकिन उन्होंने कहा कि चढ़ावे की चोरी के मामले में इस्तीफा नहीं देंगे, क्योंकि वह खुद को व्यक्तिगत रूप से दोषी नहीं मानते।

उन्होंने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए सभी लोग एसबीआई के कर्मचारी हैं। बैंक अधिकारियों को उनकी पृष्ठभूमि और पात्रता की समुचित जांच करनी चाहिए थी तथा उन्हें अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए थी। चोरी की रकम के बारे में पूछे जाने पर गोविंद गिरि महाराज ने कहा कि उनके व्यक्तिगत अनुमान के अनुसार यह राशि करीब तीन करोड़ रुपये हो सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे आधिकारिक या प्रामाणिक आंकड़ा नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह एसआईटी की जांच और उच्चतम न्यायालय की ओर से मामले की निगरानी से संतुष्ट हैं।

गोविंद गिरि महाराज ने यह भी कहा कि उनके इस्तीफा संबंधी खबरें दुर्भावनापूर्ण और भ्रामक हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी नहीं कहा कि मैं इस्तीफा दूंगा। मैं छत्रपति शिवाजी महाराज का अनुयायी हूं और मैं भागने वालों में से नहीं हूं। जब समय संघर्ष का हो, तब मैदान छोड़कर भागना हमारे धर्म में नहीं है।'' न्यास के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे पर गोविंद गिरि महाराज ने कहा कि उन्होंने स्वेच्छा से पद छोड़ा है। उन्होंने कहा, ''न्यास के संविधान के अनुसार, एक बार इस्तीफा सौंपे जाने के बाद, उसे मंजूर हुआ मान लिया जाता है।'' उन्होंने उन चर्चाओं को भी खारिज किया कि चंपत राय को बलि का बकरा बनाया गया। उन्होंने कहा कि चंपत राय की लापरवाही की वजह से यह स्थिति बनी और इस्तीफा देने से पहले उन्हें इसका एहसास हो गया था।

उन्होंने कहा, ''कोषाध्यक्ष के तौर पर मेरी भी कुछ जिम्मेदारियां हैं। मेरा काम न्यास के बैंक खातों में जमा कोष की देखरेख करना है। पांच चार्टर्ड अकाउंटेंट नियमित रूप से इन खातों की जांच करते हैं।'' गोविंद गिरि महाराज ने कहा कि मंदिर की दान पेटियों में जमा रकम का गबन किया गया, न कि न्यास के बैंक खातों में जमा रकम का। उन्होंने कहा कि स्थानीय न्यासी दान पेटियों में जमा रकम की गिनती और हिसाब-किताब का काम देखते थे।

रामनगर-देहरादून रेल सेवा 18 से शुरू होगी : अनिल बलूनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनिल बलूनी ने मंगलवार को घोषणा की कि उत्तराखंड में रामनगर से देहरादून के बीच ट्रेन सेवा 18 जुलाई को शुरू होगी।

उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया। उत्तराखंड की गढ़वाल सीट से लोकसभा सदस्य बलूनी ने कहा कि यह ट्रेन सेवा काम के सिलसिले में देहरादून आने-जाने वाले स्थानीय लोगों की यात्रा को बहुत आसान बना देगी। उन्होंने कहा कि इससे कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान आने वाले पर्यटकों को भी सीधी और सुविधाजनक रेल सेवा मिलेगी। बलूनी ने कहा कि शुरुआत में यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या और मांग के आधार पर, भविष्य में इसे हफ्ते में चार या पांच दिन चलाने की कोशिश की जाएगी।

भगवान के धन पर 'गिद्ध दृष्टि' रखना 'अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण' घटना : साध्वी ऋत भरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। राम मंदिर आंदोलन में शामिल रही साध्वी ऋतम्भरा ने राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर दुख जाहिर करते हुए कहा कि भगवान के धन पर 'गिद्ध दृष्टि' रखना 'अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण' घटना है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि भविष्य में ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जिससे कोई भी व्यक्ति इस प्रकार का अपराध करने की हिम्मत न कर सके। ऋतम्भरा, सोमवार शाम वृन्दावन मार्ग पर स्थित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम में आयोजित कथा में शामिल होने के लिए पहुंचीं थीं।

उन्होंने इस अवसर पर विजय मारू की पुस्तक 'रिटायर्ड-60 नॉट आउट' का विमोचन भी किया। यह पुस्तक वरिष्ठ नागरिकों के जीवन, उनकी चुनौतियों और संभावनाओं पर आधारित है। ऋतम्भरा ने इस दौरान संवाददाताओं से कहा, राम मंदिर निर्माण में समाज के हर वर्ग ने श्रद्धापूर्वक योगदान दिया। लोगों ने इसके लिए 500 वर्षों तक संघर्ष किया। यहां तक कि अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए, लेकिन अफसोस है कि चढ़ावा चोरी करने वालों ने पूर्वजों के तप को भी ध्यान में नहीं रखा बल्कि उन्होंने तो लोगों द्वारा भगवान के लिए दिये गये धन पर गिद्ध दृष्टि रखी। उन्होंने दुखी स्वर में कहा, भगवान के धन पर गिद्ध दृष्टि रखना हम सबके लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मैं इससे बेहद दुखी हूं। उम्मीद करती हूं कि ऐसी व्यवस्था बनेगी, जिससे भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार का अपराध करने की हिम्मत न कर सके।

नितिन नवीन ने बांकीपुर उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में मतदान की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को लोगों से बांकीपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को होने वाले उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। नवीन, उपचुनाव से पहले अपने पूर्व विधानसभा क्षेत्र के लोगों के बीच रहने के लिए दो दिवसीय पटना दौरे पर हैं। विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतगणना तीन अगस्त को होगी। भाजपा ने पिछले सप्ताह बांकीपुर विधानसभा सीट से नीरज कुमार सिन्हा को अपना उम्मीदवार घोषित किया था। यह सीट नितिन नवीन के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई थी। नवीन ने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे छोटे भाई के रूप में आपने (बांकीपुर की जनता ने) जो स्नेह और आशीर्वाद दिया, वही मेरे छोटे भाई नीरज सिन्हा को भी दें। वह उसी विश्वास और समर्पण के साथ काम करेंगे तथा बांकीपुर के विकास को नई गति देंगे।'' उन्होंने प्रसन्नता जताई कि भाजपा नेतृत्व ने उपचुनाव के लिए जमीनी स्तर के एक कार्यकर्ता को उम्मीदवार बनाया है। नवीन ने कहा, ''नीरज सिन्हा जनसंघ काल के एक कार्यकर्ता के परिवार से आते हैं। वह ऐसे युवा नेता हैं, जिन्हें क्षेत्र के लोग एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता के रूप में जानते हैं। भले ही वह व्यापक स्तर पर चर्चित जननेता नहीं हों, लेकिन जिन क्षेत्रों में उन्होंने काम किया है, वहां लोगों की सेवा में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है।'' भाजपा अध्यक्ष ने विधानसभा क्षेत्र के साथ अपने परिवार के लंबे जुड़ाव का भी उल्लेख किया।

ताहिर हुसैन की दोषसिद्धी के बाद कांग्रेस और केजरीवाल को माफी मांगनी चाहिए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी के उत्तर-पूर्वी हिस्से में साल 2020 के सांप्रदायिक दंगे के दौरान हुई खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी करार दिये जाने के एक दिन बाद मंगलवार को विपक्षी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और उनसे माफी की मांग की।

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्य विपक्षी कांग्रेस को भी आड़े हाथ लेते हुए 2020 के दिल्ली दंगों के लिए उसके नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। पार्टी ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से 'बिना शर्त माफी' की मांग करते हुए आरोप लगाया कि अंकित शर्मा के परिवार का साथ देने के बजाय, उन्होंने ''लाश पर राजनीति'' की और ''तुष्टीकरण' की नीति अपनाई। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को अंकित शर्मा हत्या मामले में हुसैन और चार अन्य लोगों को दोषी करार दिया। घटना के समय हुसैन आप का पार्षद था और मामले में नाम आने के बाद पार्टी ने उसे निलंबित कर दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह संविधान, कानून, न्याय और ''जनता की जीत'' है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से यह सुनिश्चित हुआ है कि भारत में कानून का राज चलेगा और आरोपी को कानून का सामना करना ही होगा, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली या अच्छी जान-पहचान वाले क्यों न हों। भाटिया ने कहा कि इस फैसले से पीड़ित परिवार व समाज को सुकून मिला है, जिसकी उन्हें जरूरत थी।

निर्यात विविधीकरण से वस्त्र क्षेत्र हुआ मजबूत, वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए भारत तैयार : गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत इस समय 550 जिलों से वस्त्र उत्पादों का निर्यात कर रहा है और सरकार की निर्यात विविधीकरण रणनीति के कारण वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद यह क्षेत्र मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

भारत के सबसे बड़े वैश्विक वस्त्र आयोजन 'भारत टेक्स-2026' का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि निर्यात विविधीकरण के लिए 40 प्रमुख देशों को लक्षित करने की भारत की रणनीति के कारण वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद वस्त्र क्षेत्र के निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। कार्यक्रम के इतर संवाददाताओं से बातचीत में सिंह ने कहा, ''130 देशों के खरीदार यहां आए हैं। हम विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। कुछ पर बातचीत जारी है, जबकि कुछ समझौतों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। इससे स्पष्ट है कि हम वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं।'' 'भारत टेक्स-2026' के तीसरे संस्करण में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, रूस, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बांग्लादेश सहित 130 देश हिस्सा ले रहे हैं। सिंह ने कहा कि 'भारत टेक्स-2026' में विभिन्न देशों की व्यापक भागीदारी मुक्त व्यापार समझौतों, निर्यात विविधीकरण और कारोबार सुगमता सुधारों को बढ़ावा देने की सरकार की पहल के बीच वैश्विक वस्त्र क्षेत्र में भारत की बढ़ती मौजूदगी को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने निर्यात विविधीकरण के लिए 40 देशों की पहचान की है और इस दिशा में काम कर रहे हैं। इसी वजह से वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत के वस्त्र निर्यात पर अधिक असर नहीं पड़ा।'' सिंह ने बताया कि ''भारत टेक्स-2026' में भाग लेने वाले प्रदर्शकों में 90 प्रतिशत से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) हैं, जो इस क्षेत्र में व्यापक भागीदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वस्त्र आयात का आकार लगभग 900 अरब अमेरिकी डॉलर का है। साथ ही उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने वस्त्र आयात करने वाले कई प्रमुख देशों के साथ एफटीए किए हैं और कई अन्य देशों के साथ ऐसे समझौतों पर बातचीत जारी है। मंत्री ने कहा कि इस आयोजन में विदेशी खरीदारों के साथ-साथ निवेशक भी रुचि दिखा रहे हैं। चीन से इतर आपूर्ति स्रोत तलाश रहे वैश्विक वस्त्र खरीदारों को वह क्या संदेश देना चाहेंगे, इस सवाल पर सिंह ने कहा, ''उनके साथ मेरी बैठक है। इस बार यहां केवल खरीदार ही नहीं, बल्कि निवेशक भी आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि तिरुपुर, सूरत, इचलकरंजी, पानीपत और लुधियाना जैसे वस्त्र विनिर्माण केंद्र कारोबार सुगमता में सुधार के कारण तेजी से उभर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने अक्टूबर तक कपास पर आयात शुल्क समाप्त कर दिया है।

प्रशासन ने 17 जुलाई को होने वाले राहुल गांधी के कार्यक्रम की जगह बदलने को कहा : कांग्रेस

देहरादून/भाषा। कांग्रेस की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मंगलवार को कहा कि देहरादून प्रशासन ने पार्टी से राहुल गांधी के 17 जुलाई को देहरादून के परेड ग्राउंड में प्रस्तावित कार्यक्रम का स्थल बदलने के लिए कहा है। गोदियाल ने कहा कि राहुल गांधी के देहरादून में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए तय किए गए स्थल के संबंध में निर्धारित शुल्क जमा कर विधिवत अनुमति पूर्व में प्राप्त कर ली गयी थी, जिसकी रसीद भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि लेकिन अब प्रशासन ने कार्यक्रम स्थल बदलने को कहा है हालांकि इस संबंध में कोई लिखित आदेश नहीं दिया गया है। गोदियाल ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार राहुल गांधी की लोकप्रियता से डर गई है और उनके कार्यक्रम में व्यवधान डालने की हर संभव कोशिश कर रही है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, हमारा स्पष्ट कहना है कि जिस स्थान के लिए अनुमति मिली है, कार्यक्रम वहीं आयोजित होगा। 15, 16 और 17 जुलाई की स्वीकृति पहले से प्राप्त है और जब तक कोई लिखित निर्देश नहीं मिलता, कार्यक्रम पूर्व निर्धारित स्थल पर ही होगा।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं। मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए। इसमें कहा गया है, यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी। मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी। अधिसूचना के अनुसार, ''अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।''

ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों के इंजन को नुकसान का कोई प्रमाण नहीं : आईआईटी कानपुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। देश में 20 प्रतिशत एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ई-20) से गाड़ियों के इंजन को नुकसान पहुंचने का कोई सुबूत नहीं है। ई-20 लागू करने को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं के बीच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कानपुर के अध्ययन में यह बात सामने आई है।

आईआईटी-कानपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में इंजन रिसर्च लैबोरेटरी के परियोजना वैज्ञानिक ध्रुव राज करणा ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा' को बताया कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययन में सामने आया कि ई-20 से इंजन को नुकसान, जंग लगने या कोई दूसरी तकनीकी समस्या नहीं होती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों को नुकसान पहुंचने के दावों को वैज्ञानिक आधार पर बेबुनियाद करार दिया और गाड़ी चलाने वालों को अपुष्ट ऑनलाइन खबरों के बजाय अपनी गाड़ी बनाने वाली कंपनी के 'मैनुअल' तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के दिशानिर्देशों पर भरोसा करने की सलाह दी। करणा ने बताया कि हेड प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल की अगुवाई वाली आईआईटी-कानपुर की इंजन रिसर्च लैबोरेटरी एथनॉल-मिश्रित ईंधन पर व्यापक अध्ययन कर रही है। उन्होंने कहा, ''संस्थान के अध्ययनों में ई-20 के कारण गाड़ियों के 'माइलेज' में कोई खास कमी नहीं पाई गई। 'माइलेज' में कोई भी बदलाव दरअसल ईंधन के बजाय गाड़ी चलाने की आदतों, सड़क की स्थिति और गाड़ी के रखरखाव से ज्यादा प्रभावित होता है।'' शोधकर्ताओं के मुताबिक अब तक किए गए परीक्षणों में इंजन के टिकाऊपन या गाड़ी की रफ्तार एवं 'माइलेज' पर ई-20 ईंधन का कोई प्रतिकूल असर नहीं देखा गया है।

सुविचार

कठिनाइयाँ हमें तोड़ने नहीं, मजबूत बनाने आती धैर्य बनाए रखें, विश्वास कभी न खोएं, जीत अवश्य मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मालामाल नहीं, यह कंगाल बनाने का दांव

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक सीए से 21 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का मामला इस बात की पुष्टि करता है कि साइबर ठगों द्वारा उच्च शिक्षित लोगों को भी बड़ी आसानी से धोखा दिया जा सकता है। लगभग 70 साल के इन सीए ने अपने जीवन में कई वित्तीय मामले सुलझाए होंगे, लेकिन वृद्धावस्था में आकर ये खुद ऐसे फेर में पड़ गए कि जीवनभर की बचत गंवा बैठे। सीए, जज, वकील, डॉक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक – ये कुछ ऐसे पेशे हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि इन्हें अन्य लोगों से ज्यादा ज्ञान होता है। आश्चर्य की बात है कि इन लोगों के साथ साइबर ठगी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। ग्वालियर में सीए को ठगने के लिए अपराधियों ने जो तरीका अपनाया, वह काफी पुराना है। उसके बाद तो कई और तरीके आ चुके हैं। वे भी पुराने हो गए हैं। संभवत: सीए ने उनके बारे में न कभी सुना होगा, न कभी पढ़ा होगा। अगर उन्हें इसकी जानकारी होती तो इतनी बड़ी रकम गंवाने की नौबत ही न आती। हर व्यक्ति को इस तरीके के बारे में मालूम होना चाहिए, खासकर उन्हें, जिनके पास अच्छी-खासी बचत है। साइबर अपराधियों का एक पैंतरा उनसे सबकुछ छीन सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति के पास एक ऑनलाइन प्रस्ताव आता है- 'हमारी योजना में निवेश करें और कई गुना मुनाफा कमाएं।' ऐसे प्रस्ताव वॉट्सऐप, टेलीग्राम और एसएमएस पर ही ज्यादा मिलते हैं, क्योंकि साइबर ठग किसी मोबाइल नंबर के आखिरी तीन अंकों में एक-एक अंक और जोड़ते हुए शिकार ढूंढ़ते हैं। अगर वे सौ लोगों को संदेश भेजते हैं तो दर्जनभर लोग जरूर फंस जाते हैं। उन संदेशों में दावा किया जाता है कि हमारी योजना में निवेश करेंगे तो रातोंरात मालामाल हो जाएंगे।

प्राय: ऐसे प्रस्तावों के साथ किसी महिला की सुंदर तस्वीर लगी होती है, जो एआई निर्मित हो सकती है। संदेश में महिला का नंबर भी दिया होता है। उससे बात करने पर वह विश्वास दिलाती है कि 'योजना बिल्कुल सही है ... अगर अभी निवेश करेंगे तो मुनाफा ज्यादा होगा ... देर करेंगे तो घाटे में रहेंगे।' कई पुरुष यहीं धोखा खा जाते हैं। वे लालच के साथ रूपजाल के शिकार हो जाते हैं। वे उस महिला के कहने पर अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार रकम भेजते जाते हैं। साइबर ठग एक और चाल चलते हैं। वे अपने शिकार को ऑनलाइन ग्रुप में शामिल कर लेते हैं, जहां उसके मुनाफे का फर्जी विवरण पेश किया जाता है। जो साइबर ठग तकनीकी रूप से ज्यादा सक्षम होते हैं, वे वेबसाइट बनाकर अपने शिकार को यह विश्वास दिलाते हैं कि आपका निवेश सुरक्षित है और मुनाफे में बढ़ोतरी हो रही है। इसके बाद नया खेल शुरू होता है। जब व्यक्ति देखता है कि वह मालामाल हो गया है तो रकम निकालने की कोशिश करता है। तब उसे बताया जाता है कि 'यह रकम ऐसे नहीं निकलेगी ... अभी थोड़ा और निवेश करें।' वह महिला उसे विश्वास दिलाती रहती है कि थोड़ा-सा निवेश और करते ही पूरी रकम आपके बैंक खाते में भेज दी जाएगी। कुछ लोगों को रकम का बहुत छोटा हिस्सा लौटाया भी जाता है, ताकि वे शक न करें। साइबर ठग अलग-अलग बहाने से रकम मांगते रहते हैं। आखिर में, जब उस व्यक्ति के पास कुछ नहीं बचता, तब वह पुलिस से मदद मांगता है। ये उच्च शिक्षित लोग ऐसी योजनाओं के चक्कर में फंसने के बजाय यह क्यों नहीं सोचते कि जो व्यक्ति मुझे मालामाल बनाने का दावा कर रहा है, उसे मुझसे ही रुपए मांगने की जरूरत क्यों पड़ रही है? यह खुद मालामाल नहीं हुआ, लेकिन मुझे बना देगा! ऐसा कैसे संभव है? स्पष्ट है कि दाल में काला नहीं, बल्कि दाल ही काली है। ऐसी निवेश योजनाओं से बचकर रहें, अन्यथा पछतावे के सिवा कुछ नहीं बचेगा।

ट्वीटर टॉक

बुटाटी धाम प्रकरण पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का बयान स्वयं कांग्रेस की सच्चाई उजागर करता है। जब उन्होंने खुद स्वीकार किया कि बुटाटी धाम के प्रबंधन में कांग्रेस से जुड़े लोग रहे हैं और वर्तमान अध्यक्ष भी कांग्रेस पार्षद के पति हैं।

-मदन राठौड़

वीणा कैसेटस के फाउंडर और 'राजस्थान रत्न' सम्मान पाने वाले श्री केसरी चंद मालू जी के गुज़र जाने की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। राजस्थानी लोक संगीत को बचाने और बढ़ावा देने में उनका बहुत कीमती योगदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता, कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री और जनसेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व, आदरणीय श्री रामचंद्र गौड़ा जी के निधन की खबर बहुत दुखद है। उनका सरल व्यवहार, कर्तव्य के प्रति समर्पण और समाज के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सपनों से सुरों का सफर

बनारस घराने की सुविख्यात ठुमरी गायिका सिद्धेश्वरी देवी ने अपनी बेटी सविता देवी को संगीत की जितनी तालीम अपने जीवनकाल काल में दी, उससे भी ज्यादा अपनी मृत्यु के बाद दी थी। वे बेटी के स्वप्न में आकर उसे ठुमरी की बंदिशों और लयकारी का अंदाज गाकर समझाती थीं। जब कभी सपने में बेटी की भेंट अपनी मां से होती, तो वह हालत न तो गहरी नींद की होती और नहीं जाग्रत अवस्था होती, बल्कि इनके बीच की तंद्रा की-सी दशा होती थी। सपने में सिखाई ठुमरियों को जब सविता देवी जाग्रत रहते हुए उसी रूप में गाती, तब ऐसा मिठास भरा स्वर-चित्र खिलता कि गायिका व श्रोताओं दोनों की रूह को छू जाती। बनारस में एक दफा बहुत महत्वपूर्ण संगीत-सम्मेलन हुआ था, जिसमें काफी चोटी के संगीतज्ञ आमंत्रित थे। उनमें शहनाई वादक बिसमिल्ला खां जैसे दिग्गज तो थे ही, सविता देवी भी उसमें शामिल थीं। वे थोड़ी चिंतित थीं। रात को स्वप्न में उसे मां ने दर्शन दिये और आश्वासन दिया कि, 'तू कतई फिक्र मत कर, सब कुछ ठीक हो जाएगा।' सविता देवी ने स्वप्न में यह भी देखा कि वह मां के साथ सीढ़ियां चढ़ रही है। बस, फिर आंख खुल गयी।

सामयिक

विश्व युवा कौशल दिवस : हुनर ही भविष्य की पहचान

बाल मुकुन्द ओझा

विश्व युवा कौशल दिवस हर साल 15 जुलाई को दुनियाभर में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने के लिए किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के रणनीतिक महत्व को मनाने के लिए 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया था। 15 जुलाई 2026 को विश्व युवा कौशल दिवस की 11 वीं वर्षगांठ है। इस दिवस की शुरुआत इसलिए की गई ताकि वैश्विक स्तर पर कौशल की कमी की ओर ध्यान दिया जा सके, जो कई युवाओं को अच्छे रोजगार पाने और समाज में पूरी भागीदारी से वंचित करती है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल का होना जरुरी है। तकनीकी प्रगति, वैश्विक अर्थव्यवस्था और बदलते कार्यस्थलों के कारण युवाओं को लगातार नए कौशल सीखने और अपने मौजूदा कौशल को निखारने की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 26.7 करोड़ युवा एनईईटी (नीट) यानि रोज़गार, शिक्षा या प्रशिक्षण में नहीं है की श्रेणी में हैं, और यह संख्या 27.3 करोड़ तक पहुँचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यह दिवस यह भी दर्शाता है कि कौशल विकास सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक वृद्धि के लिए आवश्यक है। यह तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में प्रोत्साहित करता है। हुनर ही भविष्य की सबसे बड़ी पहचान है। हर नई स्किल सफलता का मार्ग खोलती है। सीखना सतत जारी रखना होगा। आज का कौशल, कल की ताकत है। मेहनत और हुनर कभी व्यर्थ नहीं जाते। कौशल ही रोजगार का सबसे मजबूत आधार है।

भारत की तेजी से बढ़ती आबादी का 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम आयु का है, और उनमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लगभग एक करोड़ युवा कार्यबल में प्रवेश करते हैं और उनमें से केवल आधे ही रोज़गार के योग्य माने जाते हैं, ऐसे में कौशल-आधारित, उद्योग-केंद्रित शिक्षा मॉडल की आवश्यकता पहले कभी इतनी ज़रूरी नहीं थी, लेकिन, अब इस अंतर को पाटना केवल एक आर्थिक अनिवार्यता नहीं है, यह एक राष्ट्रीय मिशन है। भारत सरकार भी युवाओं को कौशल में प्रवीण बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है, जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्किल इंडिया मिशन आदि। इन योजनाओं का लक्ष्य युवाओं को विभिन्न उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मोदी मंत्रिमंडल ने केंद्रीय क्षेत्र योजना कौशल भारत कार्यक्रम को वर्ष 2026 तक जारी रखने और पुनर्गठन को मंजूरी दी है। कौशल भारत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना और जन शिक्षण संस्थान योजना शामिल है। वर्ष 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए कौशल भारत कार्यक्रम का परिव्यय 8,800 करोड़ रुपये है। समस्या केवल नौकरी की कमी नहीं है-बल्कि शिक्षा प्रणाली और श्रम बाजार की ज़रूरतों के बीच मेल न होना है। साथ ही उचित क्रियान्वयन, उद्योग से तालमेल और नतीजों की निगरानी। कौशल विकास कार्यक्रम नतीजों में बदलने चाहिए, केवल घोषणाओं में नहीं। एक अन्य रिपोर्ट में भारत में बेरोजगारी पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। भारत में बेरोजगारी एक गंभीर और दीर्घकालिक समस्या है, जो तेज जनसंख्या वृद्धि, कम उत्पादकता, अशिक्षा और आर्थिक संरचनात्मक असंतुलन जैसे कारणों से उत्पन्न होती है। इसके समाधान के लिए भारत सरकार ने विभिन्न रोजगार सृजन कार्यक्रमों जैसे ग्रामीण विकास योजनाएँ, स्वरोजगार योजनाएँ और शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम लागू किए हैं, जिन्होंने रोजगार बढ़ाने और जीवन स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भ्रष्टाचार, जागरूकता की कमी, राजनीतिक हस्तक्षेप और निजी क्षेत्र की सीमित भागीदारी जैसी चुनौतियाँ इन योजनाओं की प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि कौशल विकास पर सही ढंग से ध्यान दिया जाये तो तो भारत बेरोजगारी की समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है और समावेशी एवं सतत आर्थिक विकास प्राप्त कर सकता है। देश में बेरोजगारी दर तेजी से बढ़ी है। इस साल उच्च मुद्रास्फीति पर काबू पाना और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करना सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आज सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को रोजगार देने व आत्मनिर्भर बनाने की है। आज का युवा अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है। शिक्षा, रोज़गार और बेहतर भविष्य के लिए आज का युवा जागरूक है और लड़ रहा है। देखना यह है क्या, कौशल विकास योजनाओं के बावजूद देश बेरोजगारी की समस्या से यूं ही जूझता रहेगा।

ज्ञान विज्ञान

जापान में समुद्र की तलहटी में रिकॉर्ड तादाद में अदृश्य सोने की खोज

जापान के हाथ सोने का एक बड़ा भंडार लग सकता है। रिसर्चर्स ने जापान के दक्षिण-पूर्वी तट के पास समुद्र के नीचे मौजूद ज्वालामुखी क्रेटर पर ब्लैक स्मोकर चिमनी और हाइड्रोथर्मल टीले (माउंड) खोजे हैं, जो बड़ी मात्रा में सोना बना रहे हैं। ये हाइड्रोथर्मल वेंट ना केवल सोने के छोटे कण छोड़ रहे हैं बल्कि अदृश्य सोना भी बना रहे हैं, जिसे नंगी आंखों या सामान्य माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता है। यह सोना समुद्र तल पर मौजूद पदार्थों के अंदर छिपा होता है। एक्सपर्ट इसे कमर्शियल अंडरवॉटर सोने की खदान बनाने के लिए एक बेहतरीन जगह मान रहे हैं। वैज्ञानिकों औक खोजकर्ताओं ने बताया है कि पानी के नीचे मौजूद इस क्रेटर में छिपे सोने की मात्रा दुनियाभर में अब तक दर्ज की गई सबसे ज्यादा तादाद है। यह खोज एक रिपोर्ट में तब प्रकाशित हुई, जब वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने बताया कि समुद्र तल पर सक्रिय टीलों को कमर्शियल माइनिंग (व्यावसायिक खनन) से बचाने की जरूरत है।

हिगाशी-आओगाशिमा वेंट की खोज 2015 में जापान के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में की गई थी। हालांकि आज तक यह पता नहीं चल पाया है कि इन हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों में कितने समुद्री जीव रहते हैं। जापान में शिजुओका यूनिवर्सिटी, वासेडा यूनिवर्सिटी और टोक्यो यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने मिलकर टोक्यो से 350 किलोमीटर (217 मील) दक्षिण में स्थित हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों से चट्टानों के नमूनों का विश्लेषण किया। सेकेंडरी-आयन मास स्पेक्ट्रोमेट्री (ञ्खचड) का इस्तेमाल करके उच्च-ग्रेड वाले अदृश्य सोने के भंडार का पता लगाया गया है। यह सोने की कम मात्रा का पता लगाने का संवेदनशील तरीका है। सोने के छोटे नैनोकण पाइराइट के अंदर फंसे होते हैं। पाइराइट सल्फाइड मिनरल है, जो तब बनता है जब समुद्र तल से गर्म, धातु-युक्त तरल पदार्थ निकलते हैं। चमकदार बनावट के कारण पाइराइट को फूल्स गोल्ड कहा जाता है। जापान के एक्सपर्ट की स्टडी में पाया गया कि असली सोना पाइराइट के अंदर दो रूपों में मौजूद होता है। एक- सूक्ष्म नैनोकणों के रूप में और दूसरा- मिनरल के क्रिस्टल स्ट्रक्चर में समाए हुए अलग-अलग सोने के परमाणुओं के रूप में। हिगाशी-आओगाशिमा काल्डेरा में ये दोनों रूप पाए गए हैं। रिसर्चर्स के अनुसार, पानी के नीचे मौजूद क्रेटर में पाए जाने वाले पाइराइट में सोने की मात्रा अब तक दर्ज सबसे ज्यादा है। जापान में संसाधन विकास के लिए अन्य हाइड्रोथर्मल वेंट क्षेत्रों की तुलना में यह जगह अपेक्षाकृत कम गहरी है। इससे यह भविष्य में माइनिंग के लिए एक अच्छी जगह बन जाती है। समुद्र तल पर फिलहाल कोई कमर्शियल सोने की खदान नहीं है लेकिन हिगाशी-आओगाशिमा काल्डेरा तक आसान पहुंच और सोने की मात्रा ने इसे भविष्य का मजबूत दावेदार बना दिया है। वैज्ञानिक समुद्र तल के मिनरल्स से अदृश्य सोने को निकालने के लिए किफायती तरीके पर काम कर रहे हैं।

नजरिया

क्या बदलेगा ताजमहल का इतिहास?

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

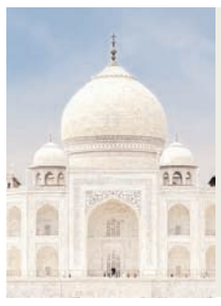

विवाद केवल ताजमहल की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह इस प्रश्न से भी जुड़ा है कि किसी राष्ट्र का इतिहास किस प्रकार लिखा जाए, नए साक्ष्यों का मूल्यांकन कैसे हो और न्यायपालिका की भूमिका क्या हो। यदि किसी ऐतिहासिक दावे की जांच की मांग की जाती है तो उसका निर्णय वैज्ञानिक परीक्षण, प्रमाणिक दस्तावेजों और संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए।

भारत का इतिहास केवल अतीत का वृत्तांत नहीं है, बल्कि वह देश की सांस्कृतिक स्मृति और राष्ट्रीय पहचान का महत्वपूर्ण आधार भी है। जब किसी ऐतिहासिक स्मारक के मूल स्वरूप को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका प्रभाव केवल इतिहास की पुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राजनीति, संस्कृति और न्याय व्यवस्था तक पहुंचता है। इन दिनों ऐसा ही एक विषय व्यापक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। विश्व धरोहर के रूप में प्रसिद्ध ताजमहल को लेकर यह दावा किया जा रहा है कि उसका मूल स्वरूप एक प्राचीन शिव मंदिर था, जिसे तेजोमहालय कहा जाता था। इस दावे को लेकर वर्षों से समय समय पर बहस होती रही है, लेकिन हाल के दिनों में यह विवाद एक बार फिर न्यायालय तक पहुंच गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर याचिका के बाद यह विषय पुनः राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन गया है। न्यायालय ने केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से इस संबंध में जवाब मांगा है। यह कदम किसी दावे की पुष्टि नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत सभी पक्षों का दृष्टिकोण जानने का एक आवश्यक चरण है।

इस पूरे विवाद का केंद्र अधिवक्ता हरिशंकर जैन और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा प्रस्तुत याचिका है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ताजमहल का वास्तविक इतिहास अब तक सामने नहीं आया है और इसके मूल स्वरूप की वैज्ञानिक तथा न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। उनका आग्रह है कि न्यायालय की देखरेख में स्मारक का सर्वेक्षण कराया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वर्तमान इमारत के भीतर या उसके नीचे कोई पूर्ववर्ती धार्मिक संरचना मौजूद थी या नहीं। उनका कहना है कि यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक सत्य की खोज का प्रश्न है। दूसरी ओर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का वर्षों से यही आधिकारिक मत रहा है कि ताजमहल का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की स्मृति में कराया था और उसके मंदिर होने का कोई प्रमाण उसके अभिलेखों में उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि यह विवाद अब न्यायपालिका के समक्ष साक्ष्यों और कानूनी तर्कों के आधार पर विचाराधीन है।

याचिकाकर्ताओं द्वारा सबसे अधिक चर्चा में लाया गया विषय ताजमहल के बंद कमरों का है। उनका कहना है कि परिसर के निचले हिस्से में अनेक ऐसे कमरे हैं जिन्हें लंबे समय से आम लोगों के लिए बंद रखा गया है। उनका दावा है कि इन कमरों की जांच होने पर ऐसे पुरातात्विक अवशेष या धार्मिक प्रतीक मिल सकते हैं जो इस इमारत के इतिहास पर नई रोशनी डालेंगे। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक वैज्ञानिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है जो इन दावों की पुष्टि करती हो। इसलिए वर्तमान स्थिति में यह केवल याचिकाकर्ताओं का दावा है, न कि स्थापित तथ्य। न्यायालय के समक्ष भी इसी कारण सर्वेक्षण और निरीक्षण की मांग रखी गई है, ताकि अनुमान और वास्तविकता के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित किया जा सके।

इस विवाद में बादशाहनामा का उल्लेख भी बार बार किया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस समकालीन मुगल दस्तावेज में राजा जय सिंह से संबंधित संपत्ति का उल्लेख मिलता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि यमुना किनारे पहले से एक विशाल संरचना मौजूद थी। दूसरी ओर मुख्यधारा के इतिहासकार इस उल्लेख की अलग व्याख्या करते हैं और इसे मकबरे के निर्माण के लिए भूमि अथवा संपत्ति के हस्तांतरण से जोड़ते हैं। यही कारण है कि एक ही ऐतिहासिक स्रोत की अलग अलग व्याख्याएं सामने आती हैं। इतिहास का अध्ययन केवल किसी एक पंक्ति के आधार पर नहीं किया जाता, बल्कि अनेक दस्तावेजों, पुरातात्विक साक्ष्यों, स्थापत्य शैली, अभिलेखों और समकालीन स्रोतों के संयुक्त विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग भी है। आज ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार, त्रि आयामी मानचित्रण, डिजिटल स्कैनिंग और अन्य आधुनिक तकनीकें बिना संरचना को नुकसान पहुंचाए उसके भीतर की जानकारी देने में सक्षम हैं। यदि न्यायालय कभी ऐसे किसी वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अनुमति देता है, तो उससे प्राप्त निष्कर्ष इतिहास के अध्ययन में उपयोगी हो सकते हैं। विज्ञान का उद्देश्य किसी पक्ष का समर्थन करना नहीं, बल्कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जानकारी देना होता है। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि किसी विवाद का समाधान वैज्ञानिक जांच से संभव हो, तो उस विकल्प पर विचार किया जा सकता है। हालांकि ऐसा कोई निर्णय पूरी तरह न्यायालय और संबंधित संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि इतिहास केवल आस्था के आधार पर नहीं लिखा जाता। इतिहास लेखन में पुरातत्व, अभिलेख, साहित्य, स्थापत्य, विदेशी यात्रियों के विवरण, समकालीन दस्तावेज और वैज्ञानिक परीक्षण सभी का महत्व होता है। यदि किसी नई खोज से पुराने निष्कर्ष बदलते हैं तो इतिहासकार उन्हें स्वीकार भी करते हैं। विश्व के अनेक देशों में नई खुदाइयों और शोधों के आधार पर इतिहास की कई मान्यताओं में परिवर्तन हुआ है। इसलिए किसी भी नए दावे की जांच होना अस्वाभाविक नहीं है, लेकिन जांच पूरी होने से पहले उसे अंतिम सत्य मान लेना भी उचित नहीं माना जाता।

ताजमहल विश्व की सबसे प्रसिद्ध धरोहरों में से एक है। यह न केवल भारत की पहचान है, बल्कि विश्व विरासत सूची में भी शामिल है। इसके संरक्षण की जिम्मेदारी केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी मानी जाती है। इसलिए इसके संबंध में होने वाली हर कार्रवाई अत्यंत सावधानी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप होनी चाहिए। यदि भविष्य में किसी प्रकार की जांच या सर्वेक्षण होता है, तो उसका उद्देश्य भी ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट करना होना चाहिए, न कि किसी प्रकार का वैमनस्य उत्पन्न करना।

अंततः यह विवाद केवल ताजमहल की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह इस प्रश्न से भी जुड़ा है कि किसी राष्ट्र का इतिहास किस प्रकार लिखा जाए, नए साक्ष्यों का मूल्यांकन कैसे हो और न्यायपालिका की भूमिका क्या हो। यदि किसी ऐतिहासिक दावे की जांच की मांग की जाती है तो उसका निर्णय वैज्ञानिक परीक्षण, प्रमाणिक दस्तावेजों और संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। एक परिपक्व लोकतंत्र की यही पहचान है कि वह इतिहास से जुड़े कठिन प्रश्नों से बचने के बजाय उन्हें तथ्यों की कसौटी पर परखे। आज ताजमहल और तेजोमहालय को लेकर जो बहस चल रही है, उसका अंतिम उत्तर न्यायालय, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रमाणिक साक्ष्यों के संयुक्त परीक्षण से ही सामने आएगा। तब तक यह विषय इतिहास, कानून और समाज के बीच चल रहे एक महत्वपूर्ण विमर्श के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले धैर्य, विवेक और तथ्यपरक दृष्टि बनाए रखना सबसे अधिक आवश्यक है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उद्घाटन

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका और असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया मंगलवार को गुवाहाटी, असम में 'तीसरे गुवाहाटी स्मार्ट सिटी इंटरनेशनल ओपन फिडे रेटिंग चेस टूर्नामेंट' के उद्घाटन के दौरान।

'नीला' के एक साल बाद केरल का 'हेक्स20' फिर से अंतरिक्ष पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। अपना पहला उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजने के एक वर्ष बाद, टेक्नोपार्क स्थित 'स्पेसटेक स्टार्टअप हेक्स20' ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने ताइवान की 'नेशनल सेंट्रल यूनिवर्सिटी' के लिए अपना दूसरा उपग्रह 'कोयो' सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है। टोक्नोपार्क की ओर से सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि यह उपग्रह 'स्पेसएक्स' के 'ट्रांसपोर्टर-17' अभियान के तहत प्रक्षेपित किया गया और अंतरिक्ष में पहुंचने के लगभग एक घंटे बाद इसे कक्षा में सफलतापूर्व स्थापित कर दिया गया। उपग्रह की कक्षा में स्थापित होने के लगभग 40 मिनट बाद 'हेक्स20' को 'कोयो' से पहले बीकन संकेत' (प्रारंभिक रेडियो संकेत) मिले। सैटनॉग्स एमेच्योर सैटेलाइट कम्युनिटी' ने इन संकेतों को डिकोड किया और पुष्टि की कि उपग्रह काम कर रहा है।

'सैटनॉग्स' दुनिया भर में फैले छोटे-छोटे रेडियो ग्राउंड स्टेशनों का नेटवर्क है, जिनकी मदद से लोग अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रहों से आने वाले रेडियो संकेतों को प्राप्त और रिकॉर्ड कर सकते हैं। पिछले साल, कंपनी ने स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन (स्पेसएक्स) के साथ मिलकर भारत का पहला निजी क्षेत्र का राइडशेयर उपग्रह 'नीला' प्रक्षेपित किया था जो केरल का पहला निजी तौर पर बनाया गया उपग्रह है। 'हेक्स20' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमल चंद्रन के अनुसार, 'कोयो', 'हेक्स20' को एक भरोसेमंद वैश्विक उपग्रह अभियान सहयोगी के तौर पर स्थापित करने की दिशा में एक और अहम कदम है।

'हेक्स20' के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) और सह-संस्थापक अनुराग रेघु ने कहा, कोयो ने कक्षा में उम्मीद के मुताबिक काम किया है, 1500 से अधिक रेडियो संकेत डिकोड किए गए हैं, जमीन से 75 से ज्यादा कमांड सफलतापूर्वक भेजे गए हैं और उपग्रह अभी सामान्य परिचालन मोड के लिए शुरुआती दौर से गुजर रहा है।''

ईरान में सशस्त्र विद्रोह के दोषी इस्लामिक स्टेट के दो सदस्यों को मौत की सजा

तेहरान/एपी। ईरान में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के दो सदस्यों को देश के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह छेड़ने का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई गई। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने मंगलवार को प्रसारित खबर में यह जानकारी दी। दोषी करार दिए गए आईएस सदस्यों की पहचान मोहिद्दीन अब्दुल्लाही और हुसैन पलानी के तौर पर बताई गई। इसमें कहा गया है कि मोहिद्दीन और हुसैन आईएस के उस सेल से जुड़े थे, जो इराक और सीरिया में संगठन की हार के बाद अस्तित्व में आया था और जिसने ईरान के अंदर हमलों की साजिश रची थी। खबर के मुताबिक, सेल के सदस्य हमलों को अंजाम दे पाते, इससे पहले ही ईरानी सुरक्षा बलों ने इराकी सीमा के पास बामो पहाड़ी इलाके में उनके ठिकाने का पता लगा लिया।

खबर के अनुसार, इराकी सुरक्षा बलों की ओर से चलाए गए अभियान में आईएस के कई सदस्य मारे गए, जबकि कई अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। इस अभियान के दौरान ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के तीन सदस्य भी मारे गए। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामान भी जब्त किया।

कुब्रा सैत ने शुरू किया स्टैंड-अप कॉमेडी का सफर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्राइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया।

इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है। कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

दुनिया की सबसे ऊंचाई पर आयोजित अल्ट्रा मैराथन में

भारतीय सेना के मेजर दीपक कुमार रहे प्रथम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/जम्मू/भाषा। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने पूर्वी लद्दाख में आयोजित दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई वाली अल्ट्रा मैराथन में 70 किलोमीटर की कठिन 'उमलिंग ला चैलेंज' दौड़ पूरी कर पहला स्थान हासिल किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में मेजर दीपक कुमार पहले स्थान पर रहे, जबकि कैप्टन शिवगुरु वेल्लासामी एस ने भी सफलतापूर्वक मैराथन पूरी की। सेना की 'फायर एंड फ्यूरी कोर' ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर कहा, 13 जुलाई, 2026 को 153 जनरल अस्पताल के मेजर दीपक कुमार और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर (एलएसआरसी) के कैप्टन शिवगुरु वेल्लासामी एस ने सारमंग सोसाइटी' और सारमंग एडवेंचर टूर्स' द्वारा समिट ऑर सरेंडर' रेस शृंखला के तहत आयोजित दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई वाली 70 किलोमीटर की 'अल्ट्रा मैराथन उमलिंग ला चैलेंज' सफलतापूर्वक पूरी की।''

कोर ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय सेना के जवानों की शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह मैराथन पूर्वी लद्दाख के उमलिंग ला में आयोजित की गई, जहां सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा समुद्र तल से लगभग 19,300 फुट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे ऊंची वाहन चालन योग्य सड़क का निर्माण किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अत्यधिक ऊंचाई और कठिन परिस्थितियों में इस अल्ट्रा मैराथन को सफलतापूर्वक पूरा करना इसमें भाग लेने वाले सेना के अधिकारियों की असाधारण शारीरिक फिटनेस और मानसिक मजबूती का प्रमाण है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भारी बारिश में एक कच्चे मकान की छत गिरी, 11 लोगों की मौत

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भारी बारिश के दौरान एक कच्चे मकान की छत गिरने से महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई तथा 12 अन्य घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार देर रात कोहाट जिले के मालागिन गांव में हुई।

पाकिस्तान की आपात सेवा 'रेस्क्यू 1122' का कहना है कि घर में परिवार के लोग जमा हुए थे, तभी छत गिर गयी और कई लोग मलबे के नीचे दब गए। अधिकारियों के मुताबिक बचाव दलों ने अभियान शुरू किया तथा मलबे से हताहतों को निकाला एवं घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में कई महिलाएं और बच्चे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के सूचना मंत्री शफी जान ने इस घटना पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

75-वर्षीय व्यक्ति के हृदय से 180 ग्राम की दुर्लभ गांठ निकाली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के एक अस्पताल में चिकित्सकों ने 75-वर्षीय एक व्यक्ति के हृदय के दाहिने हिस्से में करीब चार दशक पुरानी एवं 180 ग्राम वजनी गांठ (एट्रियल मायक्सोमा) को बाहर निकाल कर उसे नया जीवन दिया है। चिकित्सकों के अनुसार, करीब 9.5 सेंटीमीटर लंबी, 5.5 सेंटीमीटर चौड़ी और चार सेंटीमीटर ऊंची यह गांठ देश में सर्जरी के जरिये निकाला गया संभवतः सबसे बड़ा 'एट्रियल मायक्सोमा' हो सकता है। मेदांता हॉस्पिटल के कार्डियक सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. विनीत पांडे ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि 75-वर्षीय मरीज पिछले कुछ समय से सांस फूलने, सीने में दर्द, चक्कर आने तथा पैरों और पेट में सूजन की समस्या से जूझ रहा था तथा उसके यकृत संबंधी परीक्षण (एलएफटी) असामान्य पाए गए थे।

पांडे ने बताया कि शुरुआती जांच में मरीज के हृदय की गांठ का आकार छोटा लग रहा था, लेकिन ऑपरेशन के जरिये बाहर निकाले जाने पर यह करीब 9.5 सेंटीमीटर लंबी, 5.5 सेंटीमीटर चौड़ी और चार सेंटीमीटर ऊंची मिली और इसका वजन लगभग 180 ग्राम पाया गया। उन्होंने दावा किया कि उन्हें भारत में पहले किसी मरीज के हृदय से इतनी बड़ी गांठ निकाले जाने का मामला नहीं मिला।

पांडे के मुताबिक, मनुष्य के हृदय के दाहिने हिस्से में ऐसी गांठ केवल 10 से 15 प्रतिशत मामलों में मिलती है। हृदय रोग विशेषज्ञ ने कहा कि सामान्यतः यह बीमारी 20 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में पाई जाती है। उन्होंने कहा, मरीज के शरीर में यह गांठ 35 से 40 साल पहले विकसित होनी शुरू हुई होगी और धीरे-धीरे बढ़ते हुए इतनी बड़ी हो गई।

पांडे ने बताया कि गांठ का आकार इतना बड़ा हो गया था कि उसने मरीज के हृदय के दाहिने आलिंद (एट्रियम) का अधिकांश हिस्सा भर दिया था, जिससे इसमें रक्त प्रवाह बाधित होने लगा, नतीजतन उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। उन्होंने बताया कि 15-सदस्यीय एक दल ने छह जुलाई को करीब पांच घंटे की सर्जरी के जरिये गांठ को उसकी जड़ सहित निकाल दिया। पांडे ने बताया कि यह ऑपरेशन सरकार की आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत निःशुल्क किया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ ने कहा, यदि समय पर ऑपरेशन नहीं किया जाता, तो गांठ का कोई हिस्सा टूटकर फेफड़ों की रक्त वाहिका को अवरुद्ध कर सकता था, जिससे मरीज की मृत्यु तक हो सकती थी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत ठीक है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

अनावरण

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को नई दिल्ली के बाराखंभा रोड स्थित 'द ललित' में कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप के आधिकारिक शुभंकर (मैस्कॉट) के अनावरण समारोह को संबोधित करती हुईं।

'आदर्श बाल विद्यालय' में हेडमास्टर बने केके मेनन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता केके मेनन अलग-अलग तरह की भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में जासूस, नेता, अपराधी और कई गंभीर किरदार निभाए हैं, लेकिन अब वह पहली बार एक स्कूल हेडमास्टर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। अपकमिंग सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में केके मेनन ज्ञानेश्वर त्रिपाठी नाम के एक ऐसे हेडमास्टर का किरदार निभा रहे हैं, जो बाहर से लापरवाह दिखाई देता है, लेकिन अंदर से काफी समझदार और तेज दिमाग वाला इंसान है। केके ने बताया, ''लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन हेडमास्टर की भूमिका मेरे लिए बिल्कुल नई है। जब मैंने पहली बार सीरीज की कहानी पढ़ी तो किरदार मुझे सबसे ज्यादा दिलचस्प लगा। ज्ञानेश्वर त्रिपाठी एक आम और जमीन से जुड़ा किरदार है। वह कोई परफेक्ट इंसान नहीं है, उसमें कई कमियां हैं, लेकिन उसका दिमाग तेज है। वह परिस्थितियों को समझता है और जरूरत पड़ने पर अपने पक्ष में इस्तेमाल करना जानता है। यही खूबियां किरदार को खास बनाती हैं।'' केके मेनन ने कहा, ''ज्ञानेश्वर का व्यक्तित्व मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण और रोचक दोनों रहा। निर्देशक हिमांक गौर के नजरिए और निर्देशन के बिना ज्ञानेश्वर जैसे किरदार को पर्दे पर उतारना आसान नहीं था। इस सफर में मेरे को-स्टार्स का सहयोग भी काफी अहम रहा।''

'आदर्श बाल विद्यालय' एक सात एपिसोड की कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है, जिसका निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। इस सीरीज को विश्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने बनाया है और पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले तैयार किया गया है।सीरीज की कहानी ऐसे हेडमास्टर की है, जो एक खराब स्थिति वाले स्कूल को सुधारने की कोशिश करता है। टिंकी टोली नाम की जगह पर मौजूद यह स्कूल कई परेशानियों से जूझ रहा है और हेडमास्टर अपने तरीके से इसे बदलने की कोशिश करता है। कहानी में स्कूल की समस्याओं के साथ-साथ लोगों के रिश्तों, सोच और बदलाव की कोशिशों को भी मजेदार अंदाज में दिखाया गया है।सीरीज में केके मेनन के अलावा अर्चना पूरन सिंह, अभिमन्यु सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी और प्राची शाह जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'आदर्श बाल विद्यालय' का प्रीमियर 24 जुलाई से होगा।

फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे गोविंदा

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 1990 के दशक में अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग, दमदार डांस और अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले एक्टर गोविंदा लंबे समय से फिल्मों से दूर थे। वह अब फिल्म 'रूपा' के जरिए वापसी करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि शायद उनकी किस्मत में यही लिखा था कि फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया, ताकि वह पहले से ज्यादा मजबूती के साथ वापसी कर सकें। उन्होंने कहा कि शायद मेरी किस्मत में कई बार लोगों द्वारा नकारा जाना ही लिखा था। लोगों ने कहा कि अब यह फिल्मों में नजर नहीं आएगा, लेकिन मैं हर बार फिर से शुरुआत करता हूं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जो मैंने सोचा है और जिसकी लोग कल्पना भी नहीं कर सकते, वह इस फिल्म के जरिए सच हो जाए। यह फिल्म खास तौर पर युवाओं के लिए है। जब वे इसे सिनेमाघरों में देखेंगे, तो उनके सपनों को नई उड़ान मिलेगी। यह सब संभव है। मैं इस पर आध्यात्मिक बातें नहीं करना चाहता।

एक्टर गोविंदा ने यह भी बताया कि वह अंक ज्योतिष (न्यूमरोलॉजी) में बहुत यकीन रखते हैं। 14 नंबर मेरा लकी नंबर है। मेरा नाम भी अंक ज्योतिष के हिसाब से ही रखा गया है। मैंने बहुत कम उम्र में ही इसमें यकीन करना शुरू कर दिया था। मैं 14 साल का था। मुझ पर भगवान की कृपा थी। मैंने एक हफ्ते में 14 फिल्में साइन की थीं। फिर मैंने 14 साल तक सुपर-स्टारडम देखा। फिर मैं 14वीं लोकसभा में सांसद बना। मैंने 14 साल तक संघर्ष किया और फिर मैं फिल्मों में वापस आया। यह पहली बार है जब मैं 5 साल से ज्यादा इंतजार नहीं कर सका। मैं फिर से शुरुआत करूंगा और अब मुझे उम्मीद है कि सफर यहीं से शुरू हुआ है। गोविंदा ने कहा कि जब मैं गांव में कहता था कि मैं हीरो बनूंगा, तो लोग मुझ पर हंसते थे। वे कहते थे, 'तुम न तो सिगरेट पीते हो, न शराब पीते हो, न नॉन-वेज खाते हो, न लहसुन-प्याज खाते हो। तुम हीरो कैसे बन सकते हो। गोविंदा ने कहा कि लोग कहते थे कि अगर तुम डर के मारे भागोगे, तो साधु बन जाओगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने वही किया जो मेरी मां ने सोचा था। अब मुझे लगता है कि यह फिल्म बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। ऐसी फिल्में बननी चाहिए। और बच्चों को आगे बढ़ना चाहिए।

नकारात्मक किरदार में रहना आसान नहीं : जयति भाटिया

मुंबई/एजेन्सी

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।'' अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं।

उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।'' जयति ने कहा, ''सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।''

अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।'

गांधीनगर में जीतो नॉर्थ के नए वर्ल्ड क्लॉस कार्यालय का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन के गांधीनगर स्थित अत्याधुनिक 8,000 वर्गफीट के नूतन कार्यालय का उद्घाटन देशभर से आए जीतो अपेक्स, विभिन्न राष्ट्रीय विंग्स के पदाधिकारी, दानदाताओं, प्रायोजकों की उपस्थिति में उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

प्रायोजकों ने विभिन्न प्रकल्पों का किया उद्घाटन

नूतन कार्यालय का उद्घाटन आरके ग्रुप ऑफ कम्पनीज के एसएम राजेन्द्र कुमार, अनीता, यश, श्रेया छाजेड़ परिवार ने फीता काटकर किया। माइक्रो लेब्स ऑडिटोरियम का उद्घाटन माइक्रो लेब्स के भवरीबाई घेवरचंद, दिलीप आनंद सुराणा परिवार, लॉबी एवं बोहरा-कटारिया फूड कोर्ट का उद्घाटन बीजी भंवरलाल एंड सन्स के संघवी इंदरचंद रमेशचंद, मंगलचंद, प्रदीप एवं राहुल बोहरा तथा वैष्णोदेवी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के मधु-विमल, कशिश-चिराग एवं यश कटारिया परिवार, एक्जीक्यूटिव बोर्ड रूम का उद्घाटन मान्यता वालमार्क ग्रुप के संघवी शांतिदेवी पुखराज गुलेच्छा परिवार, चेयरमैन चेंबर का उद्घाटन ओसवाल मिनरल के श्रीपाल कुमार, विमलकुमार, सुभाषचंद, भरत कुमार एवं सिद्धार्थ खिवेसरा, बोर्ड रूम का उद्घाटन आदिश्वर इंडिया लिमिटेड के संघवी पारसमल, निर्मलकुमार, गजेश एवं मानव भंडारी परिवार, एडमिन ब्लॉक का उद्घाटन एनवी एजेन्सी के सुरेखा-शैलेश, शेखा-रोहन एवं डोना-सिद्धार्थ हरन परिवार, मुख्य सचिव एवं कोषाध्यक्ष कक्ष का उद्घाटन साउंडग्लिट्ज़ के सिद्धार्थ, रचना, लाव्या-निकेत पटवा परिवार, डाइनिंग रूम का उद्घाटन गुरु पुनवानी प्रॉपर्टीज के हनुमानमल, संजय बैद, संघवी शांतिलाल एवं विकास बोहरा परिवार ने किया।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने नए कार्यालय को बताया लेंडमार्क

उद्घाटन के मौके पर अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने कहा कि यह नूतन कार्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि संगठन की दूरदृष्टि, सेवा, समर्पण एवं भविष्य की योजनाओं का सशक्त केंद्र है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय भंडारी ने कहा कि यदि संगठन निर्माण और इतिहास रचने की प्रेरणा लेनी हो तो जीतो बेंगलूरु नॉर्थ से सीखना चाहिए।

इसके अलावा अपेक्स उपाध्यक्ष हिमांशु शाह ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह परिसर आने वाले वर्षों में जीतो की राष्ट्रीय गतिविधियों, नवाचारों एवं समाजोपयोगी प्रकल्पों का प्रमुख केंद्र बनेगा। जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया।

इस मौके पर कार्यालय निर्माण एवं संपूर्ण परियोजना के सफल क्रियान्वयन में सहयोग देने वाले पारस भंडारी, नूतन कार्यालय के निर्माण में उदार सहयोग के लिए दिलीप आनंद सुराणा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जीतो की माइनॉरिटी पहल से संबंधित एक विशेष पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। उद्घाटन समारोह के उपरांत जीतो एपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी की अध्यक्षता में नूतन कार्यालय में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

देश भर से बड़ी संख्या में उपस्थित थे अतिथि

उद्घाटन के मौके पर नरेंद्र श्रीश्रीमाल, कमलेश सोजतिया, श्रीपाल बच्छावत, महावीर चपलोत, सम्पत चपलोत, धर्मेंद्र जैन, नरेंद्र सामर, प्रवीण बाफना, दिलीप जैन, रमन अश्विन जैन, राजेंद्र जैन, संजीव छाजेड़. तेजराज गुलेचा, राजेंद्र गांधी, पारस भंडारी, अशोक नागौरी, इन्द्रचंद बोहरा, विनोद पोखरना, महावीर मेहता, प्रमोद भंडारी, ड प्रवीण शाह, भेरूमल भंडारी, पुष्पक जैन, रणजीत सोलंकी, विनोद बाकलीवाल, हर्षवर्धन जैन, महावीर संघवी, लक्ष्मी बाफना, रक्षा छाजेड़ और अनीश भोजानी उपस्थित थे आदि उपस्थित थे।

नार्थ चैप्टर के उपाध्यक्ष कमल पूनमिया, प्रमित बाफना, मुख्य सचिव विजय सिंघवी, मंत्री अशोक भंडारी, प्रीतेश जैन, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, प्रवीण चौहान, राकेश पोखरना, सुरेश गन्ना, सुनील लोढ़ा, दिनेश लोढ़ा, शेखर जैन, नितेश जैन , पंकज जैन, विनोद नंदावत, रमेश दक, दिनेश खिवेसरा, नेमीचंद दलाल, अरविन्द टपरावत ने विभिन्न व्यवस्था संभाली। नार्थ चैप्टर के उपाध्यक्ष दिनेश बाफना एवं मंत्री मदन मुणोत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यालय संयोजक रमेश बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

'धर्म ही जीवन का सबसे बड़ा मंगल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. ने मंगलवार को सुबह धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म ही जीवन का सर्वश्रेष्ठ मंगल है और निर्मल अंतःकरण ही मोक्ष का वास्तविक द्वार है। उन्होंने कहा कि संसार में दही, गाय का दर्शन, मंगल कलश आदि को शुभ माना जाता है, किंतु ये केवल द्रव्य मंगल हैं। वास्तविक मंगल तो धर्मभाव है। जहां धर्मभाव जागृत होता है, वहां सफलता, शांति और कल्याण स्वतः प्राप्त होते हैं। जहां धर्म है, वहां सफलता है और जहां अधर्म है, वहां असफलता निश्चित है। आचार्यश्री ने कहा कि धर्म मनुष्य के पुण्य को पुष्ट करता है और आत्मा को निर्मल बनाता है। धन, सत्ता और संपत्ति की प्राप्ति पुण्य का परिणाम हो सकती है, लेकिन इन सबके प्रति मोह और ममत्व का समाप्त हो जाना आत्मशुद्धि का परिचायक है। धर्म का वास्तविक उद्देश्य बाहरी वैभव नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मकल्याण है। धर्माराधना के तीन महत्वपूर्ण सूत्र, करण, उपकरण और अंतःकरण की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि करण अर्थात शरीर, जो धर्म साधना का श्रेष्ठ साधन है। इसी शरीर से पुण्य भी होता है और पाप भी। शरीर नश्वर और अशुद्ध होते हुए भी मोक्ष साधना का आधार है, इसलिए इसकी सुरक्षा और सदुपयोग आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि करण और उपकरण से बढ़कर निर्मल अंतःकरण का महत्व है। भरत चक्रवर्ती को अंतःकरण के कारण ही मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसे स्पष्ट करने के लिए उन्होंने एक 80 वर्षीय निर्धन वृद्धा का प्रेरक प्रसंग सुनाया। प्रभु के दर्शन की उत्कट लालसा लेकर निकली उस वृद्धा की मार्ग में घोड़े की लात लगने से मृत्यु हो गई, किंतु अंतिम क्षण तक प्रभु स्मरण और दर्शन की पवित्र भावना के कारण वह देवलोक में देव रूप में उत्पन्न हुई। आचार्यश्री ने कहा कि उसके पास न साधन थे और न सुविधाएं, फिर भी उसके निर्मल अंतःकरण ने उसे दिव्य गति प्रदान की।

उन्होंने कहा कि आज अधिकांश लोगों के पास धर्म करने के साधन और सुविधाएं तो हैं, लेकिन अंतःकरण की निर्मलता का अभाव है।

तन मंदिर और प्रवचन में होता है, जबकि मन व्यापार, परिवार और सांसारिक चिंताओं में उलझा रहता है। यही कारण है कि धर्म का अपेक्षित फल प्राप्त नहीं हो पाता। सच्ची धर्म साधना तभी संभव है, जब मन, वचन और काया तीनों धर्मभाव से जुड़ जाएं। अंत में आचार्यश्री ने श्रद्धालुओं का आह्वान करते हुए कहा कि चातुर्मास आत्मपरिष्कार, आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का स्वर्णिम अवसर है। इन पावन दिनों में प्रत्येक व्यक्ति अपने अंतःकरण को निर्मल बनाने का संकल्प ले तथा प्रभु से यही प्रार्थना करे कि जीवन में सच्चा धर्मभाव, पवित्र अंतःकरण और मोक्षमार्ग की साधना का सौभाग्य सदैव प्राप्त होता रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु के तेरापंथ महिला मंडल, राजराजेश्वरीनगर की साधारण सभा तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष सुमन पटावरी ने संविधान-वाचन किया। मंत्री वंदना भंसाली ने वर्षभर की विविध गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष सुधा दुगड़ ने आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। कन्या मंडल द्वारा मर्यादा हमारी पहचान बने' विषय पर प्रस्तुति दी गई। आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक जीवन-मूल्यों, तेरापंथ और मर्यादा तथा आधुनिक परिवेश में मर्यादा के महत्व पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए। हेमलता सुराणा ने धन्यवाद दिया।

शतरंज प्रतियोगिता में दिखाया अद्भुत प्रदर्शन

चेन्नई/दक्षिण भारत । वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद में भी किसी से कम नहीं हैं। ये दिन-प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के खेलों में अपनी विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढा. रहे हैं। नवी सीएपीए शतरंज एकेडमी तमिलनाडु द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बाल शतरंज प्रतियोगिता में अंडर 11 गर्ल्स वर्ग में 5/5 के पूर्ण स्कोर के साथ पांचवी कक्षा की मेघा ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम प्राप्त किया और विद्यालय का मान बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि के लिए विद्यालय के सचिव व पत्राचारक मुरारीलाल सोंथलिया सहित स्कूल के सभी शिक्षकों ने बधाई दी।

युवाओं में स्मार्ट फोन से गिरते संस्कार : पंन्यास आगमशेखर

कोयम्बटूर/दक्षिण भारत। यहां मंगलवार को फूल मार्केट के वर्धमान ग्रैंड के मुनिसुश्वर मंदिर में आचार्य श्री अभयशेखर सूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य पंन्यासश्री आगमशेखर विजयजी ने अपने प्रवचन में प्रेरणादायी जिनवाणी का उपदेश दिया। उन्होंने आज के समय में बढ़ते स्मार्ट फोन को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी और बच्चे स्मार्ट फोन के रील्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम के जाल में फंस रहे हैं। उन्होंने सभी से फोन का सद्पयोग करने की बात कही। रील्स के चलते संस्कारों का नाश हो रहा है।

हमें इस पर चिंतन करना चाहिए। ऐसे गतिविधियों पर परिवार के सभी बड़ों को रोक लगानी चाहिए। इस मौके पर जवंतराज बाफना, रामेश सुराणा, बाबूलाल बागरेचा ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गौसेवा

अमावस्या के मौके पर 14 जुलाई को अवाड़ी स्थित सन्मति गौशाला में आइसक्रीम गुप नेरकुन्ड्रम के धर्माराम परिवार द्वारा हरा चारा घास का एक लोड भेंट कर गौसेवा की गई।

इनरवियर ट्रेड फेयर में शामिल होने के लिए राज्यपाल को दिया आमंत्रण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) बेंगलूरु के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को

लोकभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें 21 से 23 जुलाई तक बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कर्नाटक इनरवियर ट्रेड फेयर में मुख्य अतिथि व उद्घाटन कर्ता के रूप में शामिल होने का निवेदन किया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ट्रेड फेयर की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि यह आयोजन उद्योग से जुड़े निर्माताओं, वितरकों, ब्रांड्स एवं व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय व्यापारिक मंच होगा। मेले में नवीन उत्पादों का प्रदर्शन, व्यापारिक नेटवर्किंग, नए व्यावसायिक अवसरों का सृजन तथा उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श होगा। प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीरचंद मेहता, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश चोपड़ा, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर जन जागरूकता अभियान का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस (15 जुलाई) के उपलक्ष्य में, स्पेक्ट्रा मेडिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के सभागार में राष्ट्रीय हाई-डेफिनिशन लाइपोसेक्शन मास्टरक्लास तथा जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत भर से 100 से अधिक प्लास्टिक सर्जनों ने भाग लिया और सौंदर्य संबंधी प्लास्टिक सर्जरी, हाई-डेफिनिशन लाइपोसेक्शन, बॉडी कंटूरिंग, लाइपोस्कल्पचर और त्वचा को कसने की नवीनतम तकनीकों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का उद्घाटन स्टेनली मेडिकल कॉलेज, चेन्नई के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. जेएस राधाकृष्णन तथा रॉय कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर के संस्थापक डॉ. जेम्स रॉय कंजूर ने किया। इस कार्यक्रम में देश के जाने माने डाक्टरों ने भाग लिया जिसमें दिल्ली से आई डॉ. मोनिशा कपूर ने 4डी बॉडी स्कल्प्टिंग, ऊर्जा-

आधारित स्किन टाइटनिंग और चुनिंदा रोगियों में व्यापक प्रक्रियाओं की आवश्यकता को कम करते हुए बॉडी कंटूरिंग प्राप्त करने की तकनीकों में उन्नत अवधारणाओं को प्रस्तुत किया। इसके ही अन्य वक्ताओं में केरल के डॉ. बिबिलाश बाबू, बेंगलूरु डॉ. सुरिंदर डीएसए, डॉ. करिश्मा कांगड़ी एवं चेन्नई प्लास्टिक सर्जरी के निदेशक और एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जन डॉ. कार्तिक रामासामी सहित अनेक प्लास्टिक सर्जरी विशेषज्ञों ने हाई-डेफिनिशन लिपोसक्शन में नवीनतम अवधारणाओं को प्रस्तुत किया, जिसमें सर्जिकल सुरक्षा, सटीक बॉडी कंटूरिंग, शारीरिक रचना की समझ और प्राकृतिक दिखने वाले सौंदर्यपूर्ण परिणाम प्राप्त करने पर जोर दिया।

यह आयोजन विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस के उपलक्ष्य में एक जन जागरूकता अभियान के रूप में मनाया गया जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि प्लास्टिक सर्जरी केवल कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि पुनर्निर्माण सर्जरी, जलने के बाद पुनर्निर्माण, सूक्ष्म सर्जरी, हाथ की सर्जरी, चेहरे की सर्जरी, साथ ही कॉस्मेटिक और सौंदर्य संबंधी प्लास्टिक सर्जरी में प्लास्टिक सर्जनों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है जो रोगियों के कार्यक्षमता, रूप-रंग और आत्मविश्वास वापस पाने में मदद करते है। इस अवसर पर डॉ. कार्तिक रामासामी ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस न केवल प्लास्टिक सर्जनों के बीच वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने का अवसर है, बल्कि हमारी विशेषज्ञता की व्यापकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने का भी अवसर है। निरंतर सीखना, नैतिक अभ्यास और रोगी शिक्षा आधुनिक सौंदर्य प्लास्टिक सर्जरी के आधार स्तंभ आज भी बने हुए हैं।

एमआरएफ बना देश का सबसे मूल्यवान टायर ब्रांड

चेन्नई। ब्रांड फाइनेंस इंडिया द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की सबसे बड़ी टायर निर्माता कंपनी, एमआरएफ को देश का सबसे मूल्यवान और मजबूत टायर ब्रांड घोषित किया गया है। एमआरएफ विश्व के सबसे सशक्त टायर ब्रांड और भारत में ऑटोमोबाइल, हॉस्पिटैलिटी, बैंकिंग, खाद्य पदार्थ, तेल और गैस सहित सभी उद्योगों में शीर्ष 50 सबसे मूल्यवान ब्रांडों में शामिल है। इस अवसर पर एमआरएफ टायर्स के प्रबंध निदेशक के.एम. मैमन ने कहा कि यह सम्मान हर उस भारतीय का है जिसने एमआरएफ पर भरोसा किया है। भारत के सबसे मूल्यवान और सबसे मजबूत टायर ब्रांड के रूप में नामित होना, सभी क्षेत्रों में भारत के शीर्ष 50 ब्रांडों में शामिल होना और दुनिया के शीर्ष 3 सबसे मजबूत टायर ब्रांडों में शामिल होना हमारे लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। यह सुरक्षा, नवाचार और देश भर में लाखों परिवारों और व्यवसायों की रोजमर्रा की यात्राओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.